भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

12 नवम्बर- 18 नवम्बर 2025

jagrukjanta.net

कार्तिक, पक्ष - कृष्ण, तिथि - अष्टमी, संवत 2082 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-37, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

ऑन लाइन भुगतान-नगदी बाजार से हो रही गायब, ब्लैक से मिलने लगे रुपए!

सटीक

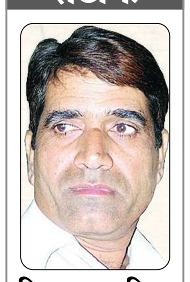

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

आजकल आमजन पेटीएम और फोन-पे या अन्य किसी डिजीटल माध्यम से भुगतान करने लगे हैं। ये अच्छी बात है कि हमारे प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए लोगों को जागरूक किया है। डिजीटल भुगतान से सरकारी सुविधा एवं योजनाओं का पैसा भी सीधे खाते में जाता है और व्यक्ति चाहे तो स्वयं ही उसे निकाल सकता है। कई सुविधाएं हमें इस समय प्राप्त हो रही हैं। हालांकि साइबर ठगी करने वाली टीम भी सक्रिय रहती है जो किसी न किसी बहाने बैंक से पैसों को साफ कर ही लेती है। खैर ये अलग विषय है। हम बात कर रहे थे बाजार से नगदी गायब होने की। तो, आजकल छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा व्यापारी ऑन लाइन लेनदेन करने लगे हैं। लोगबाग जेब में नगद पैसा ही नहीं रखते हैं। उन्हें जब अचानक नगद पैसों की जरूरत पड़ती है तो वे लोगों से विनती करते हैं कि आप हमें कैश दे दीजिए हम आपको फोन-पे कर देते हैं। कई लोग हां कह देते हैं और कई लोग मना कर देते हैं। परेशान होकर वह ई-मित्र ढूंढ़ने लगता है, क्योंकि उसे चाहिए नगद पैसे। ऐसे जरूरतमंद बदले में 10, 20, 50 या 100 रुपए अमाउंट के हिसाब से ज्यादा दे देते हैं। जिस तरह से एक रुपए, दो रुपए, पांच रुपए एवं दस व 50 रुपए की गड्डियां गायब हो गई हैं, बैंक में जाते हैं तो 'नहीं है' में जवाब मिलता है और ब्लैक से आप धड़ल्ले से ले सकते हैं। आम आदमी को तो बैंक से भी ये गड्डियां मिलना मुश्किल हो गया है। जबकि कमीशन एजेंटों के पास से जितनी चाहे उतनी मिल जाएगी। बशर्ते आपको कमीशन देना होगा। अब सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं कि दलालों के पास ये गड्डी कहां से आती है। घर में तो छापते नहीं है। आने वाले दिनों में यह हाल नगद रुपए पैसों का हो सकता है। ऐसा निश्चित रूप से तो नहीं कह सकते, मगर जिस तरह आजकल जिधर देखो उधर ही 'भाई साहब, अंकलजी, भैया! नगद पैसे दे दीजिए, हम आपको फोन-पे कर देते हैं, चाहे हम आपको कुछ ज्यादा भुगतान कर देंगे' सुनने को मिल रहा है। ऐसे में साफ दिखाई देने लगा है कि कुछ समय बाद इस तरह नगद पैसा देने का खुले में एक बिजनस बन जाएगा। क्योंकि बिना नगदी के हाल-फिलहाल तो काम चलने वाला नहीं है। अब इसका दूसरा पहलू देखें तो यह एक तरह से लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराएगा। क्योंकि बिना कमीशन के कोई क्यों नगदी देगा। कमीशनखोरी की वजह से दिखाई दे रहा है कि लोग-बाग बैंक से नकदी लाकर रखेंगे और इस तरह के जरुरतमंदों को कमीशन पर नगदी उपलब्ध कराएंगे। हो सकता है बैंक भी कुछ समय बाद कहने लग जाएं कि अभी 'नगदी नहीं' है। अब जो दिख रहा है उसके साथ सामंजस्य बिठाना ही पड़ेगा। फिलहाल दूसरा कोई चारा दिखाई नहीं देता।

shivdayalmishra@gmail.com

भूटान दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा...

साजिश की पूरी पोल खोली जाएगी-मोदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के रेड फोर्ट के पास हुए धमाके के सभी जिम्मेदारों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जांच एजेंसियां इस साजिश की तह तक जाकर पूरी सच्चाई सामने लाएंगी। पीएम मोदी ने ये बातें भूटान के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कहीं। इस धमाके में कम से कम 12 लोगों की मौत और 20 लोग घायल हुए थे। थिम्फू के चांगलिमेथांग सेलिब्रेशन ग्राउंड में संबोधन करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "आज मेरा दिल बहुत भारी है। दिल्ली में हुए इस भयानक घटना ने सभी को शोक में डाला है। मैं प्रभावित परिवारों के दुख को समझता हूँ। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है।" पीएम मोदी, जो भूटान में चौथे राजा के 70वें जन्मदिन और शांति महोत्सव में शामिल होने गए हैं, ने कहा कि वे पिछले रात से ही जांच एजेंसियों के संपर्क में थे, जो घटना की जांच में लगी हुई थीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान में भूटान के राजा थिम्फू से हिज मैजेस्टी द्रुक ग्यालपो में मुलाकात की।

जिम्मेदारों को न्याय के तहत सजा दी जाएगी-राजनाथ

दिल्ली में हुए धमाके के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली डिफेंस डायलॉग में कहा कि इस घटना के जिम्मेदारों को कोई नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, "मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि परिवारों को इस दु:ख की घड़ी में शक्ति और सांत्वना मिले।" उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि देश की शीर्ष जांच एजेंसियां इस मामले की त्वरित और पूरी जांच कर रही हैं, और जांच के नतीजे जल्द ही जनता के सामने रखे जाएंगे। इसके साथ ही, गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गृह सचिव गोविंद मोहन, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोला और एनआईए के निदेशक जनरल सदानंद वसंत डेट मौजूद थे।

भजनलाल सरकार का बड़ा तोहफा

20 हजार युवाओं को रोजगार उत्सव में मिलेगा नियुक्ति पत्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भजनलाल सरकार प्रदेश के युवाओं के लिए बड़ी सौगात लेकर आई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राज्य में दिसंबर महीने में 'रोजगार उत्सव' आयोजित कर 20 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। सीएम ने संबंधित अधिकारियों को सभी लंबित भर्तियों को जल्द निस्तारित कर पात्र अभ्यर्थियों को जल्द से जल्द नौकरी देने के निर्देश दिए हैं।

युवा शक्ति है राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा शक्ति ही राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत है। सरकार का प्रयास है कि हर योग्य युवा को सम्मानजनक रोजगार मिले, ताकि उसकी ऊर्जा प्रदेश निर्माण में लग सके। दिसंबर माह में राज्यभर में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों में विभिन्न विभागों की चयन प्रि याएं पूरी कर अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

इन विभागों में दी जाएगी नियुक्तियां

मुख्यमंत्री की पहल पर रोजगार उत्सव के दौरान जेल विभाग में 900 जेल प्रहरी, पशुपालन विभाग में 2,500 पशुधन सहायक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में लगभग 14,000 पद, ग्रामीण विकास विभाग में करीब 2,600 पद और खान विभाग में 100 से अधिक नियुक्तियां दी जाएंगी। बता दें कि वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल में अब तक लगभग 92 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्राप्त हो चुके हैं। दिसंबर माह में 20 हजार अतिरिक्त नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कुल एक लाख 12 हजार युवाओं को नियुक्तियां मिल जाएगी।

भर्ती प्रक्रिया होंगी समयबद्ध और पारदर्शी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि भर्ती से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं विज्ञापन जारी करने से लेकर परीक्षा आयोजन, परिणाम घोषणा और दस्तावेज सत्यापन तक का कार्य समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरा किया जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त कार्मिक और संसाधन लगाए जाएं ताकि किसी प्रकार की देरी न हो।

'रोजगार उत्सव' बनेगा नई रोजगार नीति का प्रतीक

उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि दिसंबर में आयोजित होने वाला 'रोजगार उत्सव' हजारों परिवारों के जीवन में नई उम्मीद की किरण जगाएगा। यह आयोजन प्रदेश की नई रोजगार नीति का प्रतीक बनेगा, जहां सरकार, उद्योग और समाज मिलकर युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेंगे। 'रोजगार उत्सव' के माध्यम से सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि राज्य में अब रोजगार सृजन एक निरंतर प्रक्रिया बन गई है।

गृह मंत्रालय ने लाल किला विस्फोट मामले की जांच एनआईए को सौंपी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने लाल किला विस्फोट मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेन्सी (एनआईए) को सौंप दी है अब तक दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा इसकी जांच कर रही थी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। सोमवार शाम लाल किले के निकट एक कार में हुए शक्तिशाली विस्फोट में 10 लोगों की मौत हो गई और करीब 20 घायल हुए हैं। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, सूचना ब्यूरो के निदेशक, दिल्ली पुलिस आयुक्त और एनआईए के महानिदेशक सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। जम्मू कश्मीर के महानिदेशक वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि बैठक में विस्फोट मामले की जांच एनआईए को सौंपने का निर्णय लिया गया।

बिहार में नहीं बदलेगी सरकार, एग्जिट पोल में एनडीए को स्पष्ट बहुमत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए दो चरणों में मतदान संपन्न हो गया है। पहले चरण के लिए 6 नवंबर को 121 सीटों और दूसरे फेज के लिए 11 नवंबर को 122 सीटों पर वोटिंग हुई। 14 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। प्रदेश में किसकी सरकार बनेगी, यह तो 14 नवंबर को ही पता चलेगा, लेकिन इसके पहले एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए है। अभी तक आए चार एग्जिट पोलों में एनडीए की सरकार साफ बनती हुई दिख रही है। नीतीश के नेतृत्व में एनडीए का अच्छा प्रदर्शन रहेगा, ऐसा एग्जिट पोल बता रहे है। हालांकि बिहार चुनावों में नये नाम के तौर पर उभरे प्रशांत किशोर एग्जिट पोल में अपना जलवा नहीं दिखा पा रहे हैं। उनकी सीटों की संख्या दो अंकों में भी पहुंचती हुई नहीं दिखाई दे रही है। बहार में पहले चरण के लिए 6 नवंबर को करीब 65 प्रतिशत वोटिंग हुई थी।

आईपीएल 2026

भारत के बाहर होगी प्लेयर्स की नीलामी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के रिटेंशन की तारीख करीब आ रही है। इसके साथ ही आईपीएल के ऑक्शन की डेट और वेन्यू भी सामने आ गई है। खास बात ये है कि इस बार भी खिलाड़ियों की नीलामी भारत के बाहर होगी। बीसीसीआई की ओर से जल्द ही इसको लेकर आधिकारिक ऐलान किया जा सकता है। माना जा रहा है कि आईपीएल का अगला सीजन मार्च से शुरू हो जाएगा।

दुनिया की सबसे बड़ी लीग यानी इंडियन प्रीमियर लीग को लेकर इस वक्त काफी खबरें सामने आ रही हैं। 15 नवंबर तक सभी 10 टीमों को ये बताना होगा कि वे अपने स्क्वाड में शामिल कौन से खिलाड़ी रिटेन करेगी और किसे जाने देगी। जो खिलाड़ी रिलीज किए जाएंगे, उनके नाम अगले ऑक्शन के लिए फिर से लिस्ट में शामिल कर लिए जाएंगे। इस बार मिनी ऑक्शन होगा, इसलिए टीमें चाहे जितने खिलाड़ी रिलीज कर सकती हैं। टीमों के पास जो पहले से पैसा है, उसमें रिलीज किए गए खिलाड़ियों की रकम जोड़ दी जाएगी, जिससे टीमें नई नीलामी में खिलाड़ी खरीद सकती हैं।

10 मिनट में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल स्पॉट पर पहुंची

आतंकी एंगल से इनकार नहीं, सभी संभावनाओं को देखते हुए जांच जारी

NSG, NIA और FSL की टीमों ने स्पॉट पर जाकर सबूत जुटाने शुरू किए

दर्दनाक मंजर
धमाका इतना तेज था कि आसपास की कई गाड़ियों में आग लग गई थी

धमाके से पहले कहां-कहां गई थी कार? सामने आई एंट्री और लोकेशन से जुड़ी जानकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सोमवार को जोरदार धमाका हुआ। यह धमाका लाल किले के ठीक सामने गेट नंबर एक के पास हुआ। धमका इतना तेज था कि कई गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कई लोगों की जान चली गई, जबकि कई घायल भी हैं। जानकारी के मुताबिक यह धमाका एक कार में रखे गए विस्फोटक में हुआ है। फिलहाल पुलिस की टीम कार में सवार लोगों और उनसे जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रही है।

दिल्ली में कहां-कहां गई कार?

दरअसल, जिस कार में धमाका हुआ, वह हुंडई की टी-20 कार है। 10 नवंबर को कार की एंट्री और लोकेशन से जुड़ी सूचना अब सामने आई है। धमाके के दिन कार की मूवमेंट की बात करें तो वह कुछ इस प्रकार थी-
3सुबह 08:04 बजे- कार बदरपुर टोल बूथ से होते हुए दिल्ली में दाखिल हुई।
सुबह 08:20 बजे- कार ओखला इंडस्ट्रियल एरिया के पास एक पेट्रोल पंप पर देखी गई।
दोपहर 3:19 बजे- कार लाल किला के पास स्थित पार्किंग एरिया में दाखिल हुई।
शाम करीब 6 बजे- कार लाल किला पार्किंग एरिया से बाहर निकलती हुई देखी गई।
कार को दरियागंज, कश्मीरी गेट और सुनेहरी मस्जिद के आसपास भी देखा गया।

पुलवामा से कनेक्शन

बता दें कि इस कार में धमाके का जम्मू-कश्मीर के पुलवामा से भी कनेक्शन सामने आया है। बताया जा रहा है कि शाम 6 बजकर 52 मिनट पर लाल किले के पास आई-20 कार में ब्लास्ट हुआ। यह भी पता चला कि इस कार पर हरियाणा की नंबर प्लेट लगी हुई थी। कार का नंबर HR 26 7624 था। पता चला है कि यह टी-20 कार सलमान नाम के शख्स की थी। पुलिस ने सलमान को हिरासत में लिया है। पूछताछ में मोहम्मद सलमान ने बताया कि उसने अपनी कार डेढ़ साल पहले दिल्ली के पहले दिल्ली के ओखला निवासी देवेंद्र को बेची थी। जांच में सामने आया है की देवेंद्र ने कार हरियाणा के अंबाला में किसी को बेची थी। फिर जांच में इस कार का पुलवामा कनेक्शन सामने आया है।

होगा मंथन आज सुबह गृह मंत्रालय में डिटेल जांच की हाई लेवल मीटिंग होगी

गृह मंत्री ने तुरंत संभाला मोर्चा, घटनास्थल और अस्पताल का दौरा किया, PM को दी जानकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

देश-दुनिया ने की दिल्ली धमाकों की निंदा

नेताजी सुभाष मार्ग पर लाल किले के ठीक सामने सोमवार शाम कार में हुए धमाके के बाद खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने दिल्ली पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों से घटना के बारे में जानकारी लेने के बाद अस्पताल और घटनास्थल का दौरा किया। साथ ही प्रधानमंत्री को भी इस पूरे मामले की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आतंकी हमले की संभावना से इनकार तो नहीं किया, लेकिन यह भी कहा कि सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। आज सुबह गृह मंत्रालय ने अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई है।

ब्लास्ट के कुछ देर बाद अमित शाह ने एक बयान जारी कर बताया कि सोमवार शाम 7 बजे के करीब लाल किले के पास सुभाष मार्ग ट्रैफिक सिग्नल पर हुंडई आई-20 गाड़ी में एक ब्लास्ट हुआ। इसके कारण आस-पास कुछ गाड़ियों के क्षतिग्रस्त होने और वहां से गुजर रहे कुछ लोगों के घायल होने के समाचार है। जो प्राथमिक सूचना मिली है, उसमें कुछ लोग हताहत भी हुए है। ब्लास्ट की सूचना आते ही 10 मिनट में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल की टीमें स्पॉट पर पहुंच गई थीं। एनएसजी और एनआईए की टीम ने भी एफएसएल के साथ गहन जांच शुरू की है। आस-पास के सभी सीसीटीवी कैमरे और अन्य चीजों की जांच के आदेश दे दिए गए है। शाह ने बताया कि मेरी पुलिस कमिश्नर और स्पेशल सेल के इंचार्ज से भी बात हुई है। हम सभी संभावनाओं को तलाश रहे है और सभी संभावनाओं को ध्यान में रखकर इसकी गहन जांच की जाएगी। सभी ऑप्शंस की जांच के बाद जो नतीजा आएगा, उसे जनता के सामने रखेंगे।

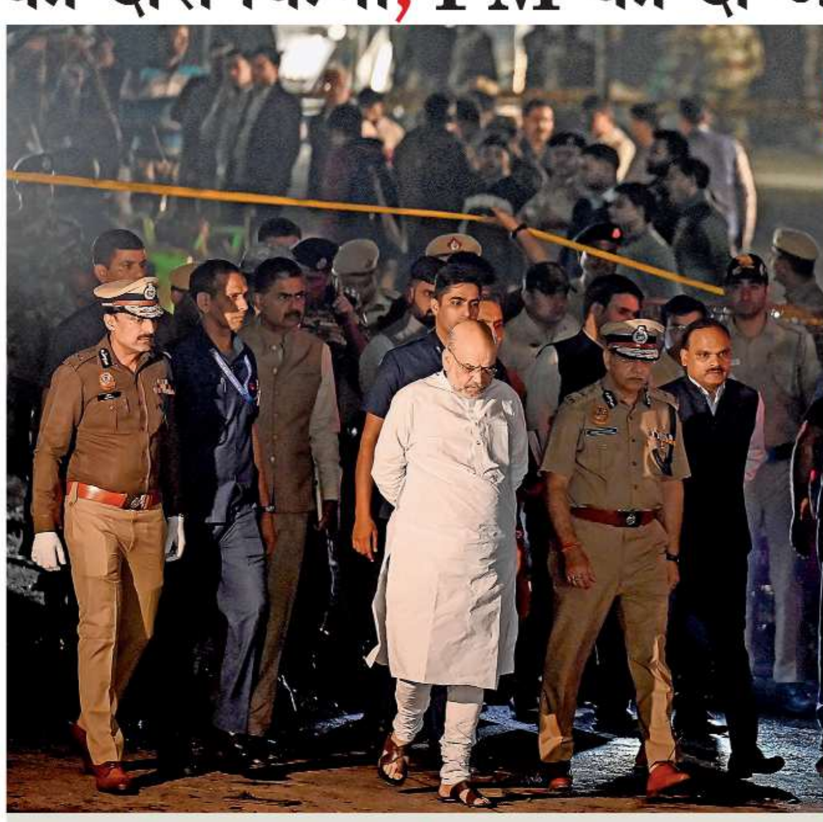

पुलिस अफसरों ने शाह को बताया कि जिस कार में धमाका हुआ, उसका असर कितने एरिया में हुआ

> सभी जांच के बाद जो नतीजा आएगा, उसे जनता के सामने रखेंगे
> -अमित शाह, गृह मंत्री

हो रही है गहन जांच...

- शाह ने आतंकी हमले की संभावना से इनकार तो नहीं किया
- कहा कि सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है
- गृह मंत्रालय ने आज एक उच्चस्तरीय बैठक भी बुलाई है

'धमाके की सूचना आने के बाद PM का फोन आया'

रात 9:30 बजे करीब शाह LNJP अस्पताल पहुंचे और घायलों से बात करके उनका हालचाल जाना। साथ ही डॉक्टरों से भी मृतकों और घायलों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस घटना में 8 लोगों की मौत की पुष्टि की। हालांकि बाद में एक और शख्स ने दम तोड़ दिया। शाह ने कहा कि मैं आशा करता हूं कि धमाके का कारण क्या है, कुछ ही समय में हमारी टीम उसके नतीजे पर पहुंच जाएगी। धमाके की सूचना आने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री का फोन भी आया था। प्राथमिक सूचना लेकर मैंने प्रधानमंत्री जी को भी ब्रीफ किया है। मंगलवार सुबह सीनियर लोगों की टीम के साथ गृह मंत्रालय में बैठक करके इसकी डीटेल जांच की जाएगी। हम सभी एंगल्स को ओपन रखकर सभी दृष्टिकोण से जांच कर रहे हैं। घटना किस कारण से हुई, अभी यह कहना बहुत मुश्किल है। जब तक स्पॉट पर मिली चीजों की एफएसएल जांच नही हो जाती, तब तक कुछ भी कहना ठीक नही होगा, मगर हम किसी भी एंगल को बंद नहीं मानते हैं। सभी एंगल से हम आगे जांच कर रहे है। इसके बाद रात सवा 10 बजे के करीब शाह घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस अफसरों ने उन्हें बताया कि जिस कार में धमाका हुआ, वह कहां खड़ी थी और धमाके का असर कितने एरिया में हुआ।

> मैंने PM को भी ब्रीफ किया है : शाह

कार में हुए इस धमाके के बाद पूरे इलाके मे अफरातफरी का माहौल बन गया था

जताया दुख

ब्लास्ट में घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचीं CM रेखा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार शाम लाल किले के पास हुए ब्लास्ट की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। घटना के बाद वह देर रात LNJP अस्पताल पहुंचीं और घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।

अस्पताल में ही उन्होंने डॉक्टरों और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान दिल्ली सरकार के गृह मंत्री आशीष सूद भी उनके साथ मौजूद रहे। सीएम रेखा गुप्ता ने डॉक्टरों को निर्देश दिया कि घायलों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने कहा कि लाल किले के पास हुई कार विस्फोट की घटना अत्यंत पीड़ादायक और चिंताजनक है।

इस दुखद हादसे में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मैं गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। केवल पुलिस की आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें। दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी ब्लास्ट पर चिंता जताई है।

> पुलिस से मिली सूचना पर ही भरोसा करें: CM

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिए सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करने के निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में लाल किले के पास कार में हुए विस्फोट के मद्देनजर प्रदेश भर में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा ने पुलिस अलर्ट मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा को महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, शॉपिंग मॉल, पर्यटन स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ भीड़-भाड़ वाली जगहों पर भी सख्त निगरानी करते हुए माकूल सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

धमाकों का इतिहास

दिल्ली मे 1996 से अब तक के विस्फोट

7 सितंबर 2011
दिल्ली हाई कोर्ट के गेट नंबर-5 के बाहर सूटकेस बम ब्लास्ट हुआ, जिसमें 17 की मौत और 76 जख्मी हुए थे।

25 मई 2011
दिल्ली हाई कोर्ट के बाहर खड़ी एक कार में मामूली ब्लास्ट हुआ था, जिसकी चपेट में कोई नहीं आया था।

27 सितंबर 2008
कुतुब मीनार के करीब महरौली फूल मार्केट के पास विस्फोट हुआ, जिसमें तीन की मौत और 21 जख्मी हुए।

13 सितंबर 2008
कनॉट प्लेस, बाराखंबा रोड, गफ्फार मार्केट और जीके-1 में हुए ब्लास्ट में 24 की मौत और 100 से ज्यादा जख्मी।

14 अप्रैल 2006
पुरानी दिल्ली स्थित जामा मस्जिद के परिसर में दो ब्लास्ट हुए, जिनमें 14 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

29 अक्टूबर 2005
सरोजिनी नगर मार्केट, गोविंदपुरी बस अड्डा और पहाड़गंज ब्लास्ट में 60 की मौत और 100 से ज्यादा घायल।

22 मई 2005
दिल्ली के सत्यम और लिबर्टी हॉल में हुए धमाके में दो की मौत और 60 से ज्यादा घायल हुए थे।

18 जून 2000
लाल किला के करीब हुए विस्फोट में एक आठ साल की बच्ची समेत दो की मौत और कई जख्मी।

26 जुलाई 1998
कश्मीरी गेट ISBT में खड़ी बस में हुए ब्लास्ट में दो की मौत और तीन घायल हुए थे।

30 दिसंबर 1997
पंजाबी बाग के करीब एक बस में हुए ब्लास्ट में चार सवारियों की मौत और 30 जख्मी थे।

30 नवंबर 1997
लाल किला इलाके में दोहरे विस्फोट में तीन की मौत हुई, जबकि 70 से ज्यादा घायल हुए थे।

26 अक्टूबर 1997
करोल बाग एरिया में दो ब्लास्ट हुए, जिनमें एक की जान गई, जबकि 34 घायल हो गए थे।

18 अक्टूबर 1997
रानी बाग मार्केट में दो बम विस्फोट हुए। एक शख्स की जान गई और 23 घायल हुए थे।

10 अक्टूबर 1997
शांति वन, कौड़िया पुल और किंग्सवे कैंप में तीन ब्लास्ट हुए। एक की मौत और 16 जख्मी।

1 अक्टूबर 1997
सदर बाजार के भीड़-भाड़ वाले एरिया में दो विस्फोट हुए, जिसकी चपेट में आकर 30 घायल हुए।

9 जनवरी 1997
ITO स्थित ओल्ड दिल्ली पुलिस हेडक्वॉर्टर के सामने विस्फोट हुआ, जिसमें 50 लोग जख्मी हुए थे।

21 मई 1996
लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट में तेज विस्फोट की चपेट में आकर 16 लोगों की मौत और 39 घायल हुए थे ।

पुराने मामले

कौन दोषी, कौन बरी, कहां अटकी कार्यवाही...

दिल्ली में कब-कब हुए धमाके और उन पर अब तक क्या कार्रवाई हुई। प्राची यादव की रिपोर्ट:

1996 • लाजपत नगर मार्केट में विस्फोट

1996 में लाजपत नगर मार्केट में हुए बम विस्फोट में आतंकवादी संगठन जम्मू कश्मीर इस्लामिक (लिबरेशन) फ्रंट के छह सदस्यों को दोषी ठहराया गया था। अप्रैल 2012 में, अदालत ने मोहम्मद नौशाद, मोहम्मद अली भट्ट और मिर्जा निसार हुसैन को मौत की सजा सुनाई। जावेद अहमद खान को उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

2005 • सत्यम और लिबर्टी सिनेमा धमाका

2005 के सत्यम सिनेमा और लिबर्टी सिनेमा बम विस्फोट मामले में मार्च 2022 में अदालत ने एक व्यक्ति को बरी कर दिया। उसे तब कथित आतंकवादी संगठन 'बब्बर खालसा इंटरनेशन'का सदस्य बताया गया था।

2010 • जामा मस्जिद में हुआ था ब्लास्ट

2010 में जामा मस्जिद ब्लास्ट मामले में 2017 में कोर्ट ने इंडियन मुजाहिद्दीन(आईएम) के सह-संस्थापक यासीन भटकल और अन्य 10 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। हालांकि, आतंकी संगठन के तीन कथित सदस्यों - अफ्फाक, अब्दुस सबूर और रियाज अहमद सईदी को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। धमाके के बाद आईएम के दो संदिग्धो ने एक टूरिस्ट बस से मस्जिद के गेट के पास उतर रहे विदेशी सैलानियों पर गोलियां बरसा दी थी।

2008 • एक ही दिन में 5 जगहों पर हुए धमाके

2008 में हुए 5 जगहों पर हुए बम धमाकों से जुड़े केस में फरवरी 2018 में अदालत ने इंडियन मुजाहिद्दीन के सह-संस्थापक यासीन भटकल और उसके साथी के खिलाफ यहां दिल्ली में सितंबर आरोप तय किए।

स्वच्छता को लेकर पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर सख्त, प्रदेश की सभी जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को दिए निर्देश

प्रतिदिन सभी कार्मिक सामूहिक रूप से करेंगे राष्ट्र गीत वंदे मातरम और राष्ट्रगान जन गण मन का गायन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि स्वच्छता में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी अब यदि कहीं भी लापरवाही दिखाई दी या नियमित सफाई नहीं हो रही होगी तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। मंत्री दिलावर यहां सचिवालय में आयोजित पंचायती राज विभाग से जुड़े अधिकारियों एवं प्रदेश के समस्त जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित बैठक में मंत्री श्री दिलावर ने कहा कि लंबे समय से सभी ग्राम पंचायत को प्रतिदिन सफाई करने और कचरा संग्रहण के निर्देश दिए जा रहे हैं, परंतु अभी भी गांव में गंदगी मिल रही है। यह गंभीर लापरवाही है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इसको देखें और जहां अधिकारी लापरवाही कर रहे हैं,उनके खिलाफ कार्यवाही करें। मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि सहायक विकास अधिकारी से लेकर पंचायत राज विभाग के ऊपर के सभी अधिकारी प्रति माह चार रात्रि गांव में विश्राम व नियमित ग्राम पंचायत का निरीक्षण अनिवार्य रूप सें करें, जिसमें स्वच्छता का निरीक्षण भी शामिल है। बैठक में मंत्री दिलावर ने कहा कि 2 अक्टूबर, गांधी जयंती के दिन आयोजित ग्राम सभा में प्रत्येक ग्राम पंचायत को 'एक चारागाह एक पंचायत' गतिविधि तथा जलाशय, कुंड, बावड़ी की मरम्मत व अतिक्रमण हटाने के प्रस्ताव लेने थे। यदि किसी ग्राम पंचायत में यह प्रस्ताव नहीं लिए गए हैं,तो आगामी 15 नवंबर तक उक्त पंचायत में ग्राम सभा आयोजित कर प्रस्ताव लेकर भेजे जाएं।

मंत्री ने स्पष्ट कहा कि ग्राम सभाओं की बैठकें सार्वजनिक रूप से आयोजित हों और उनकी फोटो, वीडियो व मिनट्स "राजस्थान पंचायत पोर्टल" एवं सोशल मीडिया पर अपलोड किए जाएँ, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों को लोगों को ग्राम सभाओं में अधिकाधिक भागीदारी के लिए प्रेरित करने और योजनाओं की जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए।

वंदे मातरम के लिए समय निर्धारित

बैठक में पंचायती राज विभाग में मंत्री के निर्देशों की अनुपालना में प्रतिदिन कार्यालय की शुरुआत वंदे मातरम से तथा समापन जन गण मन से करने के लिए समय निर्धारित कर दिया गया है। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार प्रतिदिन प्रातः 9:35 पर कार्यालय में उपस्थित सभी कार्मिक सामूहिक रूप से राष्ट्र गीत वंदे मातरम का गायन करेंगे तथा शाम को 5:55 पर सभी कार्मिक सामूहिक रूप से राष्ट्रगान जन गण मन का गायन कर कार्य दिवस का समापन करेंगे! सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के गायन की भू स्तरीय सूचना आधारित तंत्र (ज्योग्राफिकल इनफॉरमेशन बेस्ड सिस्टम) जिओ टैगिंग, समय स्थान के साथ की जाएगी ताकि पूरी तरह से आयोजन सुनिश्चित किया सके।

सनातन संस्कृति से मनाया 87वां जन्मोत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। संत बाबा मेहर दास मंदिर एवं ट्रस्ट संस्थापक लाल आर साधवानी अप्रवासी की धर्मपत्नी गीता साधवानी का 87वां जन्मदिन मंदिर परिसर में हिंदू संस्कृति से धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मिल्क केक वितरित कर, सब ने मेवा खीर का रसास्वादन किया सबभी भगत्तगणों ने साधवानी के सुखद स्वस्थ जीवन की कामना की। ट्रस्ट अध्यक्ष लोकचंद हरिरामानी ने बताया गीता जी ट्रस्ट की प्रेरणा एवं मार्गदर्शक है, उन को हिंदुस्तान के संस्कृति, एवं प्रकृति से आत्मिक लगाव है, लाल को मन्दिर का वातावरण मनमोहक, एवं आनंदायक लगता है।

मुख्य सचिव ने की 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों की समीक्षा

आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए मिलकर करना होगा होगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को शासन सचिवालय में प्रवासी राजस्थानी दिवस 2025 के सफल आयोजन के लिए गठित कार्य समितियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले विस्तृत कार्यक्रम और विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने आयोजन से जुड़ी सभी गतिविधियों के निर्बाध समन्वय और समय पर क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों के बीच भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के स्पष्ट विभाजन पर ज़ोर दिया। पंत ने सभी संबंधित विभागों के बीच सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस आयोजन को यादगार और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रत्येक समिति को मिलकर काम करना होगा। प्रवासी राजस्थानियों का गर्मजोशी से स्वागत करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए मुख्य सचिव ने कहा, प्रवासी राजस्थानी दिवस एक महत्वपूर्ण आयोजन है और इसके लिए जयपुर शहर के सौंदर्यकरण का विशेष महत्व है। आयोजन के दौरान आगंतुक प्रतिनिधियों के भ्रमण के लिए पर्यटन स्थलों पर सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जब हम अपने प्रवासियों का घर आने पर स्वागत करें तो जयपुर शहर बहुत सुंदर और साफ सुथरा नजर आए।

गर्भवती महिलाओं की मॉनिटरिंग के लिए और सुदृढ़ होगा सिस्टम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने की दिशा में सार्थक प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ की अध्यक्षता में प्रदेश के वरिष्ठ स्त्री रोग एवं शिशु रोग विशेषज्ञों, मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्षों एवं डवलपमेंट पार्टनर्स के प्रतिनिधियों के साथ विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि आगामी समय में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने की दिशा में व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाते हुए प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ अधिक फोकस होकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं एवं बीमार शिशुओं के उच्च चिकित्सा संस्थानों पर अनावश्यक रैफरल को रोकने के लिए मैकेनिज्म को और मजबूत बनाया जाएगा। साथ ही, उन्होंने ब्लॉक स्तर पर वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में छोटे-छोटे मेंटरिंग सेंटर बनाने की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के गुणवत्तापूर्ण नियमित प्रशिक्षण पर ध्यान दिया जाएगा।

जनता का विश्वास ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति-मदन राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

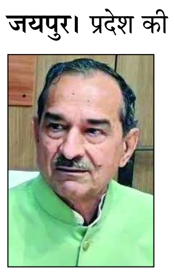

जयपुर। प्रदेश की जनता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में बनी राज्य सरकार के कार्यों पर विश्वास जताते हुए इसे पिछली कांग्रेस सरकार की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने वाली सरकार माना है। पब्लिक रिसर्च एंड एडवाइजरी सर्विसेज द्वारा कराए गए व्यापक सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष सामने आया है कि प्रदेश की जनता ने पानी, बिजली, रोजगार, उद्योग, निवेश और कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में राज्य सरकार के कार्यों को सराहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस अवसर पर प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनमत भजनलाल सरकार की पारदर्शी, जनहितैषी और विकासोन्मुख नीतियों की पुष्टि है। यह जनता का भरोसा और आशीर्वाद ही है, जो हमें और अधिक समर्पण के साथ राजस्थान को समृद्ध बनाने के लिए प्रेरित करता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने पानी, बिजली, उद्योग, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में ठोस कदम उठाए हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव अब जमीन पर दिख रहा है।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद खाटूश्यामजी में हाई अलर्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सीकर। दिल्ली में लाल किला के बाहर हुए विस्फोट की घटना के बाद राजस्थान में भी हाई अलर्ट है। साथ ही प्रदेश के मंदिरों में भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। दिल्ली ब्लास्ट के बाद खाटूधाम में पुलिस, प्रशासन और श्री श्याम मंदिर कमेटी अलर्ट मोड पर है। मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है। श्रद्धालुओं को अब अपने साथ बैग लेकर मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। श्रद्धालुओं के बैग की जांच भी की जा रही है। मंदिर के आसपास का पूरा क्षेत्र नो-व्हीकल ज़ोन घोषित किया गया है। थानाप्रभारी पवन चौबे और श्री श्याम मंदिर कमेटी के व्यवस्थापक संतोष शर्मा ने मय जाब्ते के साथ मंदिर परिसर का निरीक्षण किया और सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की।श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रवेश द्वार पर हैंड मेटल डिटेक्टर से बैग की चेकिंग की जा रही है। वहीं, दुकानदारों के दुकान बंद करने के समय को लेकर भी जल्द बैठक आयोजित की जाएगी।

वन्देमातरम के जयघोष से गुंजायमान हुआ आवासन भवन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा, राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक और जन-जन के उत्साह के स्रोत राष्ट्गीत 'वन्देमातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को राजस्थान हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय में विशेष कार्यक्रम 'वन्देमातरम@150' एवं स्वदेशी संकल्प समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के उन प्रेरणादायी मूल्यों को स्मरण करना था, जिन्होंने भारतीय जनमानस में स्वाभिमान, एकता और आत्मनिर्भरता की भावना जागृत की।

स्वदेशी संकल्प के साथ गूंजा देशभक्ति का स्वर

राज्य सरकार के निर्देशानुसार आयोजित इस अवसर पर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत 'वन्देमातरम' का संगठित गायन किया। पूरे परिसर में देशभक्ति की तरंगें प्रतिध्वनित होती रहीं। इस अवसर पर सभी ने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण तथा स्थानीय उत्पादों के सम्मान का संकल्प लिया। आवास भवन का प्रत्येक कोना तिरंगे की आभा और राष्ट्रभक्ति के उल्लास से ओतप्रोत दिखाई दिया। उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों ने राष्ट्रगीत के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों, माँ भारती के सपूतों और स्वदेशी आंदोलन के प्रेरणास्रोतों को नमन किया।

'वन्देमातरम' भारत की आत्मा का प्रतीक - डॉ. रश्मि

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि 'वन्देमातरम' केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतीक है। यह गीत उस भावना का परिचायक है जिसने अंग्रेज़ी हुकूमत की जंजीरों को तोड़ने का साहस जन-जन में भरा और भारत को स्वतंत्रता के पथ पर अग्रसर किया। आज भी यह गीत हर भारतीय के हृदय में देशप्रेम और कर्तव्यबोध की ज्योति प्रज्वलित करता है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के स्टेशनों व ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के स्टेशनों और ट्रेनों में यात्री सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कन्ट्रोल रूम से नियमित मॉनिटरिंग, गश्त और सुरक्षा उपकरणों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। रेलवे परिसर और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए श्री अमिताभ, महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा बैठक में अधिकारियों को दिशानिर्देश प्रदान किए गए। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए स्टेशनों और ट्रेनों में लगातार गश्त के माध्यम से निगरानी रखा जा रही है और स्टेशनों पर रेलवे सुरक्षा बल के कन्ट्रोल रूम से लगातार नजर रखी जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय पुलिस के समन्वय से सुरक्षा प्रबंधन को मजबूत बनाया गया है। स्टेशनों पर यात्रियों के आगमन पर उनके सामान की जांच बैगेज स्केनर के माध्यम से की जा रही है और प्रमुख स्टेशनों पर डॉग स्क्वाड़ द्वारा भी नियमित रूप से गश्त की जा रही है उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर स्टेशन पर 5, गांधीनगर जयपुर, अजमेर, जोधपुर व बीकानेर स्टेशनों पर 2-2 और दुर्गापुरा एवं भगत की कोठी स्टेशनों पर 1-1 बैगेज स्कैनर मशीने कार्य कर रही है। इसके अतिरिक्त हेंड हेल्ड मैटल डिटक्टर और डोर फ्रेम मैटल डिटक्टर भी प्रमुख स्टेशनों पर उपलब्ध है। प्लेटफॉर्म में प्रवेश करने वाले यात्रियों और उनके सामान की गहनता से जांच की जा रही है। इसके अतिरिक्त जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, गांधीनगर जयपुर, भगत की कोठी, हिसार, रेवाड़ी, हिसार, अलवर, किशनगढ़, उदयपुर सिटी, दौसा, बाड़मेर इत्यादि में स्टेशन परिसर की नगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों द्वारा कन्ट्रोल रूम से लगातार निगरानी रखी जा रही है।

12 जिलों के 7 हजार 451 गांव अभावग्रस्त घोषित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर 12 जिलों के 7 हजार 451 गांवों को अभावग्रस्त घोषित किया है। इन गांवों में बाढ़ से 33 प्रतिशत या इससे अधिक फसल खराबा से प्रभावित होने वाले कृषकों को कृषि आदान-अनुदान वितरण की अनुमति दी गयी है। यह प्रावधान प्रभावित गांवो में 31 मार्च 2026 तक लागू रहेंगे। आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की उप शासन सचिव शैफाली कुशवाहा ने बताया कि राज्य सरकार के इस निर्णय से बांसवाड़ा, ब्यावर, डूंगरपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा, नागौर, राजसमंद, डीडवाना-कुचामन, सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर, बालोतरा एवं चित्तौरगढ़ जिलों की 98 तहसीलों के 7 हजार 451 गांवों के प्रभावित किसानों को राहत मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि खरीफ फसल संवत 2082 (वर्ष 2025-26) की गिरदावरी रिपोर्ट के आधार पर इन गांवों को अभावग्रस्त घोषित किया गया है।

अंता उपचुनाव में करीब 80 प्रतिशत हुआ मतदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बारां। राजस्थान में बारां जिले में अंता विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए मंगलवार को मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया और लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। निर्वाचन विभाग के अनुसार मतदान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह सात बजे शुरू हुआ जो शाम छह बजे तक चला और प्रारंभिक सूचनाओं के आधार पर इस दौरान 79.45 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इससे पहले सुबह पहले दो घंटे में मतदान थोड़ा धीमा रहा और उसके बाद के दो घंटों में मतदान में तेजी आयी और पूर्वाह्न 11 बजे तक करीब 28.74 प्रतिशत, एक बजे तक 47.77 प्रतिशत, अपराह्न तीन बजे तक 64.68 प्रतिशत एवं सायं पांच बजे तक 77.17 प्रतिशत मतदान हुआ।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान
क्रमांक :- न.पा.ता/2025-26/3877 दिनांक :-11.11.2025

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका क्षेत्र तारानगर के निम्नांकित भूखण्ड धारियो ने स्टेट्ग्राण्ट हेतु पत्रावलियां जमा करवायी गयी है अतः जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस मे सप्रमाण आपति इस कार्यालय मे प्रस्तुत करे। बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क्र. स.	आवेदक का नाम व पिता का नाम	वार्ड नं.	ऑनलाईन आवेदन	आवेदन सं.	कुलतादादी (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1.	मनोज कुमार पुत्र घासीराम जांगिड़	09	316521	55	125.41	स्टेट ग्रान्ट एक्ट
2.	घासीराम पुत्र भोलूराम जाति जांगिड़	09	316526	54	223.22	स्टेट ग्रान्ट एक्ट

अधिशाषीअधिकारी
नगरपालिका
तारानगर

यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर में होगा आयोजन

सार्वभौमिक मानवीय मूल्य पर चर्चा करेंगे देशभर के शिक्षाविद्

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर को यह गौरव प्राप्त है कि वह एआईसीटीई वार्षिक नॉर्थ वेस्टर्न रीजनल मीट ऑफ यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज़ वॉलंटियर्स की मेज़बानी 14 से 16 नवम्बर तक करेगी। यह आयोजन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में तथा यूएचवी फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

इस बैठक में राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के 50 से अधिक विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, संसाधन व्यक्ति एवं प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस अवसर पर शिक्षा प्रणाली में यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज़ के समावेश पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. नीतू भगत, निदेशक, एनसीसी-आईपी, एआईसीटीई, समारोह की शोभा बढ़ाएंगी।

सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रमुख शिक्षाविदों में प्रो. (डॉ.) बिस्वजॉय चटर्जी, कुलपति, यूईएम जयपुर; प्रो. एन. आर. चौधरी, कुलपति, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा; प्रो. बी. पी. सरस्वत, कुलपति, कोटा विश्वविद्यालय; प्रो. प्रमोद योले, कुलपति, राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज; प्रो. विक्टर गम्भीर, कुलपति, जेसीआरसी विश्वविद्यालय; डॉ. डी. वी. एस. भगवनुलु, प्रो-वाइस चांसलर, विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी; प्रो. ईना शास्त्री, कुलपति, बनस्थली विश्वविद्यालय; तथा प्रो. राजीव सक्सेना, राजस्थान के राज्यपाल के नामित सदस्य शामिल होंगे। विशेष अतिथि एवं संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रो. एच. डी. चारण, अध्यक्ष, नेशनल कमेटी, आई.सी., एआईसीटीई; डॉ. रजुल अवस्थाना, चेयरपर्सन, यूएचवी फाउंडेशन; तथा डॉ. कुमार सम्भव, निदेशक, यूपीआईडी, नोएडा उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन डॉ. बी. के. शर्मा एवं डॉ. पियूष शर्मा, उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय संयोजक, एआईसीटीई यूएचवी समिति के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। स्थानीय कार्यक्रम संयोजक के रूप में डॉ. मुकेश यादव, प्रो. दिशा मुखर्जी, डॉ. स्नेहलता ढाका एवं डॉ. शिवम चौहान की टीम कार्यक्रम का संचालन करेगी। यह तीन दिवसीय बैठक उत्तर-पश्चिम भारत में मूल्य-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने, सहयोग को सुदृढ़ करने तथा साझा दृष्टिकोण को और गहरा करने का उद्देश्य रखती है।

सम्पादकीय

आतंक का विभत्स चेहरा

गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में उजागर की गई आतंकी साजिश देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी है। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि इस साजिश का निशाना लखनऊ स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यालय था। यदि यह सत्य सिद्ध होता है, तो यह घटना केवल किसी संगठन पर हमला नहीं, बल्कि देश की वैचारिक और सामाजिक संरचना को अस्थिर करने की कोशिश कही जाएगी। एटीएस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों में एक डॉक्टर शामिल है, जिसने चीन से पढ़ाई की और प्रयोगशाला में रिसिन नामक घातक जैविक जहर का परीक्षण भी किया।

यह वही जहर है, जिसे लेकर अमेरिका में बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ साजिश रची गई थी। रिसिन का कोई ज्ञात एंटीडोट नहीं है और इसका प्रयोग आतंकवाद के जैविक हथियार के रूप में किया जाता है। देश में इसका निर्माण या प्रयोग हुआ होता, तो यह सबसे भीषण आतंकी घटना का रूप ले सकती थी। एटीएस के शक के मुताबिक यदि इस जहर हो प्रसाद में मिला दिया जाता, तो हजारों मौतें होतीं तथा धार्मिक सौहार्द छिन्न-भिन्न होने के अलावा वर्ग विशेष के प्रति भयानक दहशत फैल जाती। इस खुलासे के बाद लगता है कुछ कट्टरपंथी समूह पारंपरिक विस्फोटक या बंदूक की बजाय रासायनिक और जैविक हथियारों की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आतंकवाद की शैली बदल रही है। आतंक का चेहरा साइबर, रासायनिक और वैचारिक रूप लेता जा रहा है। उत्तर प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्य बीते कुछ समय से आतंकी संगठनों के निशाने पर रहे हैं।

कारण है इन राज्यों की आबादी, धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता और रणनीतिक महत्व। पिछले कुछ वर्षों में आतंकियों की साजिशों का ग्राफ बढ़ा है, जो गृह मंत्रालय और खुफिया तंत्र की सजगता की परीक्षा है। इस घटना को विभाग की "सतर्कता में कमी" कहना उचित नहीं होगा, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को इस खुलासे को "एक आकस्मिक साजिश" नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की समीक्षा का अवसर मानना चाहिए। असल चुनौती तो आतंक की बदलती प्रकृति को समझने और उससे पहले कदम उठाने की है। जरूरत है कि हम विदेशी शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त संदिग्धों की व्यापक प्रोफाइलिंग करने के अलावा जैविक और रासायनिक हथियारों से जुड़ी निगरानी प्रणाली को मजबूत करें। इसके साथ धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा जांच को आधुनिक बनाने और साइबर इंटेलिजेंस नेटवर्क को पुनर्गठित करने की भी आवश्यकता है।

पारंपरिक आतंक से लड़ाई में हमने अब तक उल्लेखनीय सफलता पाई है, लेकिन यह नया खतरा तकनीकी और वैचारिक दोनों स्तरों पर जटिल है। इसलिए इसे केवल पुलिस या एटीएस का विषय नहीं माना जा सकता। यह राष्ट्र की सामूहिक सतर्कता और नीतिगत तत्परता की परीक्षा है। इस बार, लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं। आरएसएस या अन्य हिंदू संगठनों की वैचारिक एवं कार्य सक्रियता इस्लामिक आतंकियों को भड़काती हैं, यह तर्क अधूरा और खतरनाक है। किसी राजनीतिक या धार्मिक मतभेद के कारण कोई समूह आतंक की राह पकड़ता है, तो वह लोकतंत्र की आत्मा को नष्ट करने का प्रयास करता है। इसका कड़ा प्रतिकार होना ही चाहिए।

तीज-त्योहार से अधिक महत्वपूर्ण है- नशे के दैत्य को समाप्त करना

चेतेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

आवश्यक है कि बचपन से ही बच्चों को घर में अनुशासित रखें, विद्यालय में, महाविद्यालय में और विश्वविद्यालय में हर तरह के मादक द्रव्य के सेवन के विरुद्ध जागरूक करें और दोषी पाए जाने पर दंडित करें। तभी लोगों में यह चेतना जाग्रत होगी कि नागरिकों की आयु और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए सरकार नहीं, स्वयं व्यक्ति, परिवार और समाज उत्तरदायी है और तीज-त्योहार, मन्नत-जन्नत से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है- नशे के दैत्य का समाप्त होना।

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कई लोग यह प्रश्न पूछते हैं कि भारत के युवाओं को मादक द्रव्य के नशे की लत क्यों है? पर सच्चाई ये है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठित व्यवसाय के रूप में नशे की अमर बेल फलफूल रही है और सभी युवाओं को तो नहीं, पर बहुत से युवाओं और बुजुर्गों को भी है नशे की लत। कहते हैं कि सबसे अच्छा व्यसन (लत) तो विद्या और ईश्वर भक्ति का ही होता है-

'विद्याभ्यासं व्यसनं ह्यथवा हरिपाद सेवा व्यसनं।'

वैसे देखा जाय तो व्यसन (लत) मादक द्रव्य के अलावा धन-दौलत और प्यार का भी होता है पर मादक द्रव्य जैसे- शराब, तंबाकू, ड्रग्स का नशा शरीर के अति संवेदनशील अंगों को बीमार और बेकार कर व्यक्ति को मृत्यु के मुख में धकेल सकता है और गर्भस्थ शिशु का तो सर्वनाश कर देता है। नशा शौक के कारण हो, 'शॉक' के कारण हो या कुसंगति के कारण हो, इसके चक्कर में अनगिनत लोग काल के गाल में समा चुके हैं। नशेबाज का घरेलू और वैवाहिक जीवन- दोनों नष्ट होते हैं, झगड़े-क्लेश से या नशे का शिकार होकर अनैतिक आचरण के कारण। इस बात पर सभी सहमत हैं कि नशे को शत्रु समझकर उसका प्रतिकार करना चाहिए। नशे की लत खोखला कर रही है समाज को। इस विषय की गंभीरता को लेकर अपने यहां 'उड़ता पंजाब' फिल्म भी बनाई गई। पर कुछ लोगों की ये सुधारवादी सोच भी नशे की लत या नशे की बीमारी को समाप्त नहीं कर पा रही।

हमारे देश में नशे की लत के कई गंभीर कारण हैं। **पहला कारण है-** पौराणिक कथाओं में देवलोक (स्वर्ग) में अप्सरा और मदिरापान की पूर्ण स्वीकृति और पर्याप्त व्यवस्था। समुद्र-मंथन की कथा में वारुणी (मदिरा) उत्त्पन्न होने पर दानवों को सौंप दिया गया था जो असभ्य और बर्बर समझे जाते थे। फिर देवलोक में यह कहाँ से आ गया, यह कहीं स्पष्ट नहीं। कारण जो भी हो, पर धरती पर मदिरा को उच्च कोटि की विलासिता का स्थान प्राप्त हो चुका है। मदिरापान

फाईल

न करनेवालों को गंवार, मध्यमवर्गीय (मिड्ल क्लास), डरपोक और आर्थिक रूप से लाचार समझा जाता है। शाक्त और शैव भक्ति समुदाय में भांग, धतूरा, अफीम, गांजा, मांस और नदिरापान की पूर्ण स्वीकृति और पर्याप्त व्यवस्था है। देशी बादशाहों के यहाँ चांदी की चिलम या हुका, मय (शराब), मयखाना और साकी सामान्य शब्द थे। गांव में किसी का विरोध करना हो तो सबसे पहले उसके साथ 'हुक्का-पानी' बंद किया जाता था। इससे स्पष्ट है कि मादक द्रव्य का नशा पौराणिक और ऐतिहासिक रूप से काफी सीमा तक भारतीय संस्कृति में समा गया है जिसे हर समुदाय का समर्थन मिला।

दूसरा कारण है- यूरोप की ठंडी और समशीतोष्ण जलवायु में अंगूर जैसे मीठे फल की अच्छी खेती होती है। इस अंगूर लता (ग्रेपवाइन) से रसीले फल, सूखे फल- किशमिश, मुनक्का के साथ-साथ मदिरा (वाइन) का व्यापक स्तर पर उत्पादन होता है। 'वाइन' बनाकर उसका नित्य सेवन और निर्यात भी किया जाता है। इसी प्रकार, ठंडे देशों में गेहूं, चावल, जौ, मक्का, राई जैसे अनाज की खेती होती है। इन अनाजों से भी मदिरा का व्यापक स्तर पर उत्पादन और निर्यात होता है। पाश्चात्य उच्च वर्ग के जैसा बनने या दिखने की चाह में देश में अधिकाँश समारोह और भोज में नशा किया जा रहा है। पर कहते हैं- 'नकल में भी अकल चाहिए'। पाश्चात्य सभ्यता की नकल के चक्कर में पड़कर भारत की गर्म जलवायु के अनगिनत लोग काल के गाल में समा चुके हैं। दुःख की बात ये है कि ऐसे लोग पाश्चात्य सभ्यता की सफाई, देशभक्ति, समय की पाबंदी, शिष्ट व्यवहार आदि की नकल नहीं करते।

तीसरा कारण है- व्यवसायी वर्ग को मादक द्रव्य के व्यवसाय से आर्थिक लाभ की आशा अधिक होती है और लोगों के स्वास्थ्य की चिंता कम। और उन्हें उत्पादन की छूट देने से प्रशासन को राजस्व का लाभ मिलता है। जगह-जगह शराब की दुकानें खोलने की घटना सामने आ रही है। देश की गली-गली में तंबाकू, गुटका, पान-मसाला की लड़ियाँ लटक रही हैं, रास्ते और बाग-बगीचे में इनके ठूंठ, बोतल, फटे टुकड़े फैले हुए हैं और हर बाजार में 'कैफे एंड बार', रेस्टोरेंट एंड बार', 'होटल एंड बार' कुकुरमुत्ते के झुण्ड की तरह उगते जा रहे हैं। ये सभी कानून की सीमा में रहते हुए आराम से चल रहे हैं।

चौथा कारण- बाहरी कुछ देशों से मादक द्रव्य चोरी-छिपे देश में लगातार आता रहा है। दक्षिण पूर्व एशिया में म्यांमार, लाओस और थाईलैंड की सीमाओं से घिरा हुआ 'गोल्डन ट्रायंगल' नामक क्षेत्र 1950 के दशक से लेकर 21वीं सदी की शुरुआत तक दुनिया के सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्रों में से एक रहा है। जब अफगानिस्तान दुनिया का सबसे बड़ा अफीम उत्पादक बना तो म्यांमार दूसरे नम्बर पर आ गया और 2022 तक बना रहा।

संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के ड्रग्स एंड क्राइम रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में म्यांमार दुनिया का सबसे बड़ा अफीम उत्पादक देश बन गया। भारत के पड़ोसी देशों में नशीले द्रव्य के उत्पादन और निर्यात से एशिया के अधिकांश हिस्सों में विशेषकर भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के गंभीर परिणाम होंगे ही। अब तो इंग्लैंड से व्यापार समझौता होने पर अंग्रेजी शराब 'सस्ता, सुंदर और टिकाऊ' व्यसन बनने जा रही है। जब चारों ओर मादक द्रव्य के व्यापार का नारा गूंज रहा है, किसका साहस है- नशे को गलत कहने या बंद करवाने का? जब कभी तंबाकू की खेती बंद होती है तो रातोंरात पोस्टर फाड़कर रोता-कलपता हुआ किसान निकल आता है और हाथ जोड़कर करुण विनती करता है- 'अल्कोहल पियो, हमारा खून नहीं।' यह पता करना होगा कि नशे की खेती में लिप्त किसान का फेफड़ा और यकृत (लिवर) सही-सलामत है या नहीं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

अमेरिकी शुल्क पर विवाद न्यायालय के भरोसे न रहे भारत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने उस मामले में सुनवाई तेज कर दी है जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों पर एकतरफा शुल्क लगाने के अधिकार को चुनौती दी गई है। आमतौर पर न्यायालय लंबे समय तक सुनवाई करता है और गर्मियों में अपना निर्णय देता है। परंतु ऐसा लगता है कि इस मामले की सुनवाई जल्दी निपट जाएगी।

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

पिछले सप्ताह न्यायालय में बहस का जो दौर चला उसमें उन वकीलों की स्थिति मजबूत नहीं दिख रही थी जो कार्यपालिका को शुल्क तय करने का अधिकार देने वाले 1977 की एक व्यवस्था का बचाव कर रहे थे। यह कहता है कि आपातकालीन व्यापार उपायों को विधायिका के पास भेजने की आवश्यकता नहीं है। संवैधानिक रूप से, शुल्क और सभी प्रकार के कर लगाने का अधिकार संयुक्त राज्य अमेरिका की कांग्रेस के पास सुरक्षित है, लेकिन ट्रंप ने इस दशकों पुराने आपातकालीन अ?धिकार का उपयोग करके अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही व्यापार नीति को प्रभावी रूप से पलट दिया है।

अमेरिका में चल रहा यह आंतरिक विवाद जाहिर तौर पर शेष विश्व की रुचि का विषय है। खासतौर पर वे देश जहां की अर्थव्यवस्थाएं अपेक्षा से अधिक शुल्क दर से बेहाल हैं

विभिन्न वजहों से सर्वोच्च न्यायालय की पीठ के 9 न्यायाधीशों में से अधिकांश इस कदम को लेकर आशंकित हैं। इनमें से कई तो स्वयं ट्रंप द्वारा नियुक्त किए गए हैं। निश्चित तौर पर राष्ट्रपति, खुद भी थोड़े असहज नजर आ रहे हैं। रविवार को उन्होंने अपने सोशल नेटवर्क ट्रुथ सोशल पर अपनी शुल्क नीति की आलोचना करने वालों को 'मूर्ख' घोषित किया जो यह नहीं मानते हैं कि अमेरिका अब दुनिया का 'सबसे अमीर, सबसे सम्मानित देश है जहां न के बराबर मुद्रास्फीति है और जिसके शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं।'

उन्होंने यह भी कहा, 'केवल शुल्क के कारण ही अमेरिका में खूब कारोबार आ रहे हैं'। उन्होंने प्रश्न किया कि उनके वकीलों ने सर्वोच्च न्यायालय को यह बताया या नहीं। अमेरिका में चल रहा यह आंतरिक विवाद जाहिर तौर पर शेष विश्व की रुचि का विषय है। खासतौर पर वे देश जहां की अर्थव्यवस्थाएं अपेक्षा से अधिक शुल्क दर से बेहाल हैं। यह किसी से छिपा हुआ नहीं है कि यूरोप समेत उनमें से कुछ इस बात से खुश होंगे कि असमान व्यापारिक रिश्ते और शुल्क थोपने की शक्ति राष्ट्रपति के हाथों से छिनकर वापस कांग्रेस के पास चली जाए जिसके साथ कम से कम लॉबीइंग की जा सकेगी और दबाव बनाया जा सकेगा। बहरहाल भारत इस चर्चा में एक खास मुकाम पर है। हमारा देश उन देशों में शामिल है जिन पर सबसे अधिक शुल्क दर थोपी गई है। इसके अलावा भारत उन देशों में से एक है जो एक ऐसे व्यापार समझौते को लेकर ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सके हैं जो उन शुल्क दरों को घटाने या उनके प्रभाव को कम करने की इजाजत दे सके। ऐसे में यह संभव होगा कि अंतिम समझौते को टाल दिया जाए। इस उम्मीद में कि सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आने के बाद शायद ऐसा कोई समझौता करने की जरूरत ही न पड़े। यदि समझौता हो भी जाता है तो यह लालच फिर भी रहेगा कि अगर न्यायालय का फैसला राष्ट्रपति के विरुद्ध गया तो कारोबारी रिश्ते पहले जैसे किए जा सकेंगे।परंतु ऐसी उम्मीद करना सही नहीं है। तथ्य यह है कि न्यायाधीश कहीं के भी हों, वे राजनीतिक धारा के विरुद्ध जाने में कतराते हैं। खासकर तब जबकि मतदाता सत्ता के साथ हों। अगर वे ऐसा करते हैं, खासकर इस मामले में, तो उनको ऐसी कार्यपालिका से टकराना होगा जो अदालती फैसलों को हाशिए पर डालने में सक्षम है।

आखर-आखर झरे उजियार

देश की संपत्ति का ध्यान जरूरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की जीवन गाथा सचमुच जैसे प्रेरणाओं का खज़ाना है.उनकी सोच और जीवन शैली में सादगी एवं आध्यात्मिकता स्पष्ट तौर पर झलकती थी। एक बार क्या हुआ, महामहिम के पैरों में दर्द होने लगा. सचिव को मालूम हुआ कि जूतों के तलवे घिस जाने और कीलें उभर जाने से पावों में चुभने लगी थीं।

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

उन्होंने अपने सचिव को बोला, कल नए जूते मँगवा लेंगे। सचिव अगले दिन उन्नीस रुपये के जूते ले आए। कीमत का पता लगा तो उन्होंने प्रतिक्रिया जाहिर की कि पिछले वर्ष तो ऐसे ही जूते 12 रुपये में लाए थे। इतनी क़ीमत बढ़ गई क्या?

सचिव ने कहा, जी..कम क़ीमत वाले भी उपलब्ध थे, मगर वो सुविधाजनक नहीं लगे. ये पहनने में मुलायम रहेंगे। राष्ट्रपति का जवाब था, मेरे पैर को तो कम क़ीमत वाले जूते का अभ्यास रहा है। इसलिए इन्हें लौटा दीजिए। वैसे ही मंगा दीजिए। जैसे ही लौटाने के लिए वो जाने लगा, वो बोले..सुनो, जितना रुपया खरीदने में बचाओगे, उतना कार के पैट्रोल में खर्च हो जाएगा. किसी आने जाने वाले के हाथों बदलवा लेना।

ये ज़रा सी बात है, लेकिन इस व्यवहार से महामहिम राजेंद्र बाबू ने पाई पाई के अपव्यय पर अंकुश रखने का संदेश दे दिया। देश की संपत्ति का ध्यान ज़रूरी है। वित्तीय अनुशासन से ही हम महान राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।

ये पांच पूंजियां देती हैं असली अमीरी

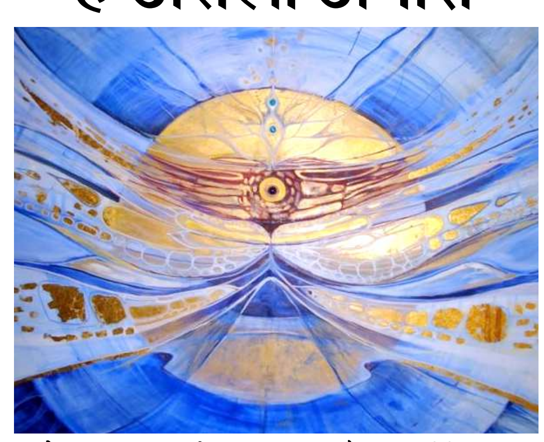

हमारे समय का सबसे बड़ा भ्रम यह है कि अमीरी का अर्थ केवल पैसों से है। जिनके पास करोड़ों हैं, वही लोग अमीर कहे जाते हैं। पर सच यह है कि दुनिया में अनगिनत लोग हैं जिनके बैंक खाते भरे हैं, मगर वे भीतर से खाली हैं। वे धन के ढेर पर बैठे हैं, लेकिन जीवन की सबसे कीमती संपत्ति उनसे छिन चुकी है। सबसे पहली और सबसे अनमोल संपत्ति है- शरीर। अगर शरीर थका हुआ है, अस्वस्थ है, तो सोने की थाली में परोसा भोजन भी विष जैसा लगता है। असली अमीरी यह है कि आपका शरीर हर उम्र में चुस्त और फुर्तीला रहे। यह कोई कल्पना नहीं है। अगर जीवन भर सही आहार, नियमित व्यायाम और अनुशासन बना रहे, तो सौ साल की उम्र में भी आदमी दौड़ सकता है, सीढ़ियां चढ़ सकता है और ताजगी के साथ हंस सकता है। बूढ़ा होना स्वाभाविक है, पर कमजोर होना नियति नहीं - यह हमारी जीवनशैली का परिणाम है। फॉजा सिंह को याद करें, जो सौ की उम्र में भी मैराथन दौड़ रहे थे।

दूसरी संपत्ति है - ज्ञान। धन अगर खो जाए तो फिर से कमाया जा सकता है, पर ज्ञान अगर भीतर है, तो कोई भी परिस्थिति आपको गरीब नहीं बना सकती। ज्ञान ही है जो हर अंधेरे में रास्ता दिखाता है। जिसने पढ़ने, सीखने और समझने की आदत को बनाए रखा, वही असल में अमीर है। किताबें, अनुभव और विचार- ये सब मिलकर मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाते हैं। तीसरी अमीरी है- जीवन का उद्देश्य। बिना उद्देश्य के पैसा बोझ बन जाता है। आदमी लाखों कमाकर भी बेचैन रहता है, क्योंकि उसे पता ही नहीं कि जी क्यों रहा है। उद्देश्य से जुड़ा इंसान हर सुबह एक नई ऊर्जा के साथ उठता है। चाहे उसका बैंक खाता कितना भी छोटा हो, वह भीतर से समृद्ध रहता है। रिश्ते भी अमीरी का एक स्तंभ हैं। जो व्यक्ति अपने परिवार, मित्रों और समाज से कटकर केवल पैसे बटोरता है, वह अंत में अकेला पड़ जाता है। असली धन यह है कि आपके पास ऐसे लोग हों जिनके साथ आप अपनी खुशी और दुख बांट सकें। जिनकी आँखों में आपको देखकर चमक आ जाए। जिनकी मौजूदगी आपको यह अहसास दिलाए कि जीवन केवल लेने का नहीं, देने का भी नाम है।

और अंत में ईश्वर या परम सत्ता से जुड़ाव। यह जुड़ाव किसी विशेष धर्म या पूजा-पाठ तक सीमित नहीं। यह वह अनुभव है जब मनुष्य यह महसूस करता है कि वह अकेला नहीं, बल्कि एक विराट चेतना का हिस्सा है। जो यह जुड़ाव पा लेता है, वह परिस्थितियों के तूफानों में भी स्थिर रहता है। उसके लिए जीवन शिकायत नहीं, उत्सव बन जाता है। तो अमीरी का सच्चा अर्थ यह नहीं कि आपके पास कितने घर, कितनी गाड़ियां और कितनी संपत्ति है। अमीरी का असली अर्थ है- एक स्वस्थ और फुर्तीला शरीर, एक जागृत और उत्सुक मन, एक स्पष्ट उद्देश्य, सच्चे रिश्ते, और आत्मा का ईश्वर से संवाद। जिसने यह पा लिया, वही सबसे अमीर है। यानी धन का मोल सोने-चाँदी से नहीं, उस सुकून से है जो भीतर गूंजता है। असली अमीरी वह है, जब सौ बरस की देह भी फुर्तीली हो, मन ज्ञान से भरा हो, रिश्ते प्रेम से खिले हों और आत्मा परम सत्ता से जुड़ी हो।

ओपिनियन

QS रैंकिंग ने दिखाई शिक्षा प्रशासन में सुधार की जरूरत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नवीनतम क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग उन चुनौतियों की ओर इशारा करती हैं जिनका सामना भारत को विश्व की सेवा क्षेत्र की राजधानी के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए करना पड़ रहा है। भारत दुनिया की अग्रणी कंपनियों के वैश्विक क्षमता केंद्रों के लिए एक पसंदीदा स्थान के रूप में अपनी स्थिति को अपनी बढ़ती घरेलू बौद्धिक पूंजी का एक संकेतक मानता है। लेकिन वैश्विक उच्च शिक्षा का विश्लेषण करने वाली फर्म, क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा संकलित वार्षिक रैंकिंग से पता चलता है कि देश अपनी उच्च शिक्षा में गंभीर सुधार किए बिना इस मानव संसाधन पर भरोसा नहीं कर पाएगा।

प्रतिभा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारत ने न केवल सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाली उच्च शिक्षा प्रणाली के रूप में अपना शीर्ष स्थान चीन के हाथों गंवा दिया, बल्कि उसके कई प्रमुख संस्थानों की रैंकिंग में भी उल्लेखनीय गिरावट आई। इस वर्ष 137 भारतीय विश्वविद्यालयों ने इस सूची में प्रवेश किया, जिससे इसमें शामिल देश के विश्वविद्यालयों की कुल संख्या 294 हो गई। उच्च तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने की चीन की ऊर्जावान और सक्षम नीति का अंदाजा इसके 261 संस्थानों के जुड़ने से लगाया जा सकता है जिससे वहां के संस्थानों की कुल संख्या 395 हो गई है। कोई भी भारतीय संस्थान शीर्ष 10 में जगह नहीं

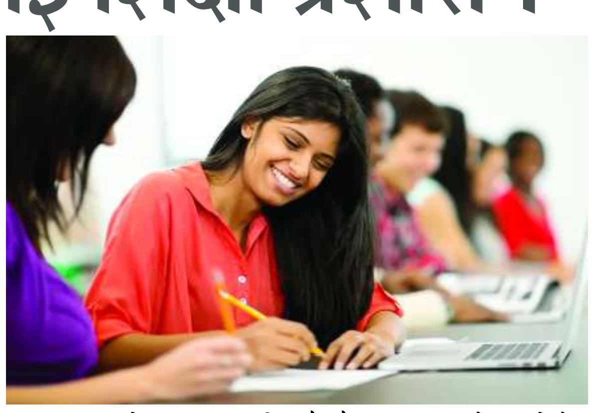

बना पाया। इसमें हॉन्ग कॉन्ग, चीन और वैश्विक नवाचार के उभरते केंद्र सिंगापुर के संस्थान रहे। भारत का शीर्ष प्रदर्शन करने वाला विश्वविद्यालय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली रहा लेकिन उसकी 59वीं रैंकिंग पिछले वर्ष के 44वें स्थान से 15 पायदान नीचे है। आईआईटी बंबई 2025 में 48 से गिरकर 71 पर आ गया और आईआईटी खड़गपुर पिछले साल के 60 से गिरकर 77 पर पहुंच गया। मद्रास और कानपुर सहित सभी प्रमुख आईआईटी ने कम से कम 2021 के बाद से अपनी सबसे निचली रैंक दर्ज की। भारत की शीर्ष 10 रैंकिंग में शामिल सात संस्थानों में से केवल चंडीगढ़ विश्वविद्यालय ही 120 से 109 पर पहुंचा है। कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर शीर्ष 100 में स्थान नहीं रखता है। हालांकि चीन के कई विश्वविद्यालय इसमें शामिल हैं, जिनमें 14वें स्थान पर पेकिंग विश्वविद्यालय है। विडंबना है कि यह खराब प्रदर्शन ऐसे समय में दिख रहा है, जब भारत सरकार ने पिछले एक दशक में उच्च शिक्षा में कई सुधार पेश किए हैं। इन सुधारों में, आईआईटी के लिए अधिक शासी स्वायत्तता, केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए संसाधन जुटाने के मानदंडों में ढील, और विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रवेश का रास्ता आसान बनाना शामिल है। लेकिन इनमें से किसी ने भी भारतीय विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन के लिए स्वदेश में ही रहने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार विदेश में पढ़ने वाले भारतीय विद्यार्थियों की संख्या इस साल 18 लाख तक पहुंच गई है, जो 2023 में 13 लाख थी। विदेश जाने में यह स्थिर वृद्धि शीर्ष भारतीय संस्थानों में उपलब्ध सीमित सीटों के साथ-साथ इन क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के कारण है। ये रुझान भारतीय उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की गंभीर कमी की ओर इशारा करते हैं। इनसे यह भी पता चलता है कि केंद्रीय और राज्यों के विश्वविद्यालयों को शिक्षण मानकों और संसाधनों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

यह स्थिति केवल तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान पर केंद्रित संस्थानों की ही नहीं है, जिनके लिए क्यूएस रैंकिंग के मानदंड अनुकूल प्रतीत होते हैं, बल्कि कला और मानविकी के लिए भी ऐसा ही है। कला और मानविकी की उपेक्षा को कम करके नहीं आंका जा सकता। विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों में बढ़ते हस्तक्षेप और केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा विशिष्ट विचारधाराओं के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने के प्रयासों ने उच्च शिक्षा की ईमानदारी और गुणवत्ता को लगातार कमजोर किया है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

पंचांग

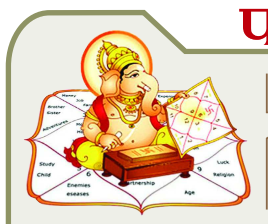

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 12/11/2025

सूर्योदय : 06:48 **सूर्यास्त** : 17:33 **चन्द्रोदय** : 24:30 **चन्द्रास्त** : 13:11 **शक सम्वत** : 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत्** : 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना** : कार्तिक **पूर्णिमांत** : मार्गशीर्ष **सूर्य राशि** : तुला **चन्द्र राशि** : कर्क **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : अष्टमी, 23:03 तक **वार** : बुधवार **कलियुग** : 5126

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : आश्लेषा, 18:37 तक
योग : शुक्ला, 07:55 तक
प्रथम करण : बालवा, 11:01 तक
द्वितिय करण : कौवाला, 23:03 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:56 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:22 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	01:53 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:29 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:29 पी एम से
अमृत काल	04:58 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:39 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : गुरु, राहु
कुंभ चक्रः तल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:47 - 08:08	उद्वेग	: 17:32 - 19:11
अमृत	: 08:08 - 09:28	शुभ	: 19:11 - 20:51
काल काल वेला	: 09:28 - 10:49	अमृत	:20:51 - 22:30
शुभ	: 10:49 - 12:09	चर	: 22:30 - 00:10
रोग वार वेला	: 12:09 - 13:30	रोग	: 00:10 - 01:49
उद्वेग	: 13:30 - 14:51	काल	: 01:49 - 03:29
चर	: 14:51 - 16:11	लाभ	: 03:29 - 05:08
लाभ	: 16:11 - 17:32	उद्वेग	: 05:08 - 06:48

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज अष्टमी

आज कौन सा कार्य करें

संग्राम, वास्तु, शिल्प, लेखन, स्त्री, रत्न धारण, आभूषण खरीदना ये सब अष्टमी को शुभ हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

कार्तिक, कृष्ण, अष्टमी, 2082 बुधवार, 12 नवम्बर - 18 नवम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

समग्र विकास को गति देने के लिए 12 नई नीतियों के साथ प्रगतिशील पथ पर अग्रसर राजस्थान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

PRAVASI RAJASTHANI DIVAS 10 DEC 2025 • JAIPUR

जयपुर। व्यापार सुगमता और निवेश को बढ़ावा देने के लिए 22 नीतियों को सफलतापूर्वक लागू करने के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार 12 नई प्रगतिशील नीतियों के साथ एक परिवर्तनकारी छलांग लगाने के लिए तैयार है, जिनमें से कुछ को 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' से पहले लागू करने की योजना है। इन नीतियों का उद्देश्य आर्थिक विकास को गति देना, नवाचार को बढ़ावा देना और सभी क्षेत्रों में समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। कृषि से लेकर आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस तक नई नीतिगत रूपरेखा भविष्य के लिए तैयार शासन और सतत प्रगति के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

औद्योगिक नीति का उद्देश्य विनिर्माण पारिस्थिति की तंत्र को मजबूत करना और उभरते क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करना है। इसके पूरक के रूप में, राजस्थान व्यापार संवर्धन नीति व्यापार और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता का लाभ उठाने के प्रयास में सरकार जल्द ही आर्टफीसियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग नीति शुरू करने जा रही है ताकि राज्य में एआई-संचालित उद्यमों और अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को बढ़ावा दिया जा सके। उभरते क्षेत्रों में वैश्विक निवेश केंद्र बनने की राजस्थान की महत्वाकांक्षा को मज़बूत करते हुए, वैश्विक क्षमता केंद्र नीति का उद्देश्य बहुराष्ट्रीय निगमों को राज्य में अपने ज्ञान और सेवा केंद्र स्थापित करने के लिए आकर्षित करना है।

इसके अलावा, सेमीकंडक्टर नीति की शुरुआत राजस्थान को उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। इसके अलावा, अंतरिक्ष और एयरो रक्षा नीति, राजस्थान की रणनीतिक क्षमता का लाभ उठाते हुए, एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण में नवाचार और निवेश का मार्ग प्रशस्त करेगी। राज्य सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख सचिव, आलोक गुप्ता ने कहा, आगामी नीतियाँ भविष्य के लिए तैयार शासन के लिए राजस्थान सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाती हैं क्योंकि प्रत्येक नीति निवेश, नवाचार और रोज़गार सृजन को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई है। ये नीतियाँ मिलकर राजस्थान को सतत विकास के केंद्र के रूप में स्थापित करती हैं। राजस्थान में विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचे के साथ पर्यटन को अगले स्तर पर ले जाने के लिए, नई पर्यटन नीति विरासत, पर्यावरण और ग्रामीण पर्यटन पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करेगी, जबकि हरित विकास ऋण नीति पर्यावरण-सतत परियोजनाओं और हरित उद्यमिता को प्रोत्साहित करेगी। पिछले साल यूके रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा जयपुर को एक खेल केंद्र के रूप में विकसित करने की घोषणा के क्रम में खेल नीति खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचे के निर्माण और उभरती प्रतिभाओं को समर्थन देने के इस दृष्टिकोण को रेखांकित करती है।

पिंकसिटी प्रेस क्लब नेत्र जाँच शिविर में 250 लोगों ने कराई जाँच

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पिंकसिटी प्रेस क्लब एवं एएसजी आई हास्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में नेत्र जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन रविवार को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक क्लब परिसर में किया गया। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा और महासचिव मुकेश चौधरी के निर्देशन में हॉस्पिटल चिकित्सक टीम में जोनल मैनेजर शेर सिंह, डॉ.अविरल वासुदेव, अनिल कुमार वैष्णव, सरिता वरिष्ठ ऑप्टोमेटस्ट्रि, हर्षवर्धन सिंह और शिवा आडिवाल ने अपनी सेवायें दी। शिविर में 250 पत्रकार एवं उनके परिजनों ने जाँच शिविर में जाँच करवाई। हॉस्पिटल की ओर से जाँच के दौरान औषधि एवं चश्मा का वितरण भी निः शुल्क किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मोनिका शर्मा एवं सह संयोजक ज्ञानेन्द्र मिश्रा ने बताया कि शिविर में पत्रकार एवं उनके परिजनों की आँखों की जाँच, मोतियाबिंद की जाँच, रेटिना की जाँच की गई एवं उचित परामर्श दिया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ आरएएस अधिकारी नीतू राजेश्वर ने भी शिरकत की। सभी अतिथियों का क्लब कार्यकारिणी की ओर से माला पहनाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। इस दौरान कोषाध्यक्ष विकास शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य मणिमाला शर्मा, निखलेश शर्मा, ओमवीर भार्गव, दिनेश कुमार सैनी, दीपक सैनी, अनिता शर्मा, उमंग माथुर और विकास आर्य उपस्थित थे।

कम्युनिटी पुलिसिंग जागरूकता कार्यशाला का भव्य शुभारंभ

युवा पीढ़ी को पुलिसिंग से जोड़ने की पहल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने इंडिया पुलिस फाउंडेशन के मार्गदर्शन में एक महत्वाकांक्षी जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को पुलिस के व्यापक उत्तरदायित्वों और सामुदायिक सुरक्षा में उनकी भूमिका के बारे में शिक्षित करना है। महानिदेशक पुलिस राजीव शर्मा एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कम्यूनिटी पुलिसिंग लता मनोज कुमार के निर्देशन में मुख्य प्रबन्धक आइपीएफ पूनम अरोड़ा और सेवानिवृत्त आईपीएस विमला मेहरा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम जयपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के दो चयनित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों लक्ष्मण डूँगरी (गलतागेट) और एस.के.एन. विद्यालय जोबनेर में शुरू हुआ। कम्यूनिटी पुलिसिंग के नोडल अधिकारी पंकज चौधरी आईपीएस ने इस पहल के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों की सुरक्षा, अपराध रोकथाम, और सामुदायिक कल्याण में पुलिस अधिकारियों की बहुमुखी भूमिकाओं के प्रति जागरूकता और समझ को बढ़ाना है। इसका लक्ष्य देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और कमजोर वर्गों जैसे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी है। चौधरी ने बताया कि ये विशेष कार्यशालाएं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लक्ष्मण डूँगरी में 10 से 12 नवंबर तक और एस.के.एन. विद्यालय, जोबनेर में 13 से 15 नवंबर तक आयोजित की जा रही हैं। इन कार्यशालाओं की विशिष्टता यह है कि यहाँ छात्रों को देश के जाने-माने सेवानिवृत्त और सेवारत अधिकारियों से सीखने का अवसर मिल रहा है। गेस्ट फैकल्टी में सेवानिवृत्त डीजीपी ओमप्रकाश और अमोद कंठ न्याय एवं किशोर गृह जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त यूनिसेफ राजस्थान के प्रतिनिधि बाल अधिकार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (यातायात) साइबर सुरक्षा और यातायात नियमों और एसएफएल जयपुर के प्रतिनिधि फॉरेंसिक विज्ञान के महत्व पर व्याख्यान दे रहे हैं। नगर निगम और एसडीआरएफ के प्रतिनिधि अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन पर भी छात्रों को जागरूक कर रहे हैं।

इस पूरे कार्यक्रम का निकट पर्यवेक्षण कम्युनिटी पुलिसिंग नोडल अधिकारी पंकज चौधरी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालूराम मीना, नरेश कुमार शर्मा व संजय कुमार शर्मा द्वारा किया जा रहा है। सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ, छात्रों को पुलिस थाने और अग्निशमन केन्द्र का प्रत्यक्ष भ्रमण भी करवाया जाएगा, जिससे उन्हें इन संस्थाओं की कार्यप्रणाली को करीब से जानने का मौका मिलेगा और पुलिस के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में रक्तदान शिविर आयोजित

'रक्तदान महादान' के संकल्प के साथ 55 यूनिट रक्त एकत्रित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), जयपुर में पंचकर्म विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यर म का शुभारंभ संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि "आयुर्वेद केवल शरीर की चिकित्सा नहीं, बल्कि समाज और मानवता की सेवा का मार्ग है। रक्तदान एक ऐसा निःस्वार्थ दान है जो सीधे तौर पर मानवता की सेवा करता है और अनेक जिंदगियों को बचाता है। हमारे चिकित्सक, शिक्षक, विद्यार्थी और कर्मचारी जिस समर्पण से इसमें भाग ले रहे हैं, वह अत्यंत प्रशंसनीय है।"

संभावित क्षेत्र की निगरानी के लिए नियमित रात्रि पेट्रोलिंग टीम गठित

लेपर्ड का मूवमेंट दिखे तो वन विभाग को करें सूचित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले कुछ समय से लेपर्ड (तेंदुए) के मूवमेंट की सूचना प्राप्त हो रही है। संभावित मानव वन्यजीव संघर्ष की स्थिति से बचाव एवं जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा नियमित रात्रि पेट्रोलिंग टीम गठित की गई है। टीम गोपालपुरा बाईपास, गौशाला, लालबहादुर नगर एवं आयकर विभाग कॉलोनी जैसे संभावित क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रही है। वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी क्षेत्र में लेपर्ड का मूवमेंट दिखाई दे, तो घबराएं नहीं और तुरंत विभाग के अधिकारियों से संपर्क करें। वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि लेपर्ड का मूवमेंट दिखने पर उप वन संरक्षक (वन्य जीव) विजय पाल सिंह 9782062885, क्षेत्रीय वन अधिकारी जयपुर (प्रादेशिक) जितेंद्र सिंह शेखावत, 9001360000 एवं रघुवेन्द्र सिंह राठौड़ क्षेत्रीय वन अधिकारी नाहरगढ़ वन्य जीव अभ्यारण मोबाइल 8095970001 से संपर्क किया जा सकता है। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि लेपर्ड के मूवमेंट की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें ताकि वन्यजीव और मानव दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जिला परिषद की साधारण सभा आज

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला परिषद सभागार में आज बुधवार को प्रातः 11 बजे विशेष साधारण सभा की बैठक होगी। जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली बैठक में बिजली, पानी, सड़क, रसद सहित आमजन से जुड़े अन्य अहम बिन्दुओं पर चर्चा होगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने बताया कि बैठक में पंचायतीराज संस्थानों को हस्तांतरित पांच विभागों के कार्य कलापों, विगत बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन, महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत पूरक कार्य योजना वर्ष 2025-26 के अनुमोदन एवं पट्टा पत्रावलियों का अनुमोदन सहित अध्यक्ष की अनुमति से अन्य बिन्दुओं पर मंथन किया जाएगा।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर के निलंबित कुलगुरू रमेश चन्द्रा को पद से हटाया

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर के निलंबित कुलगुरू प्रोफेसर रमेश चन्द्रा को पद से हटाया दिया गया हैं।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागडे ने मंगलवार को महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के निलंबित कुलगुरू प्रो. रमेश चंद्रा को राज्य सरकार के परामर्श से कुलाधिपति के रूप में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से हटाने के आदेश जारी किये हैं।

द्वितीय "डेज़र्ट बॉल" राष्ट्रीय बास्केटबॉल टूर्नामेंट-2025 आज से

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर में "द्वितीय डेज़र्ट बॉल-इंटर यूनिवर्सिटी/कॉलेज पुरुष राष्ट्रीय बास्केटबॉल टूर्नामेंट-2025" का आयोजन 12 से 14 नवम्बर तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता राजस्थान केन्द्रीय विवि कुलपति प्रो आनंद भालेराव की अध्यक्षता में खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। टूर्नामेंट का उद्घाटन आज सायं 4 बजे राजस्थान केन्द्रीय विवि के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव द्वारा, खिलाड़ियों की उपस्थिति और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच, विश्वविद्यालय के मेजर होशियार सिंह दहिया बास्केटबॉल कोर्ट पर किया जाएगा। प्रतियोगिता में कोटा विवि, कोटा; लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर; इलाहाबाद विवि, इलाहाबाद; इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट विवि, जयपुर; सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, मेरठ; सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर; राजकीय महाविद्यालय, गंगरार (चित्तौड़गढ़); स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स विवि, गुजरात तथा राजस्थान केन्द्रीय विवि, किशनगढ़ आदि शामिल होंगी।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में केन्द्रीय यूनानी अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

अधिकारी-कर्मचारियों ने जाना कार्य में निपुणता और ज्ञान की वृद्धि

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। केन्द्रीय यूनानी अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में बीते दिनों अधिकारियों एवं कर्मचारियों के तीन दिवसीय प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्षता दीपक कोचर, उपनिदेशक सी.सी.आर.यू.एम, विशिष्ट अतिथि डॉ. यूनिस मुंशी, उपनिदेशक NRI-UMSD, हैदराबाद एवं डॉ. बी. आर. मीणा, प्रभारी सहायक निदेशक क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बनीपार्क जयपुर ने की। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. बी. आर. मीणा ने बताया कि इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को विभिन्न राज्यो से यूनानी संस्थानों के अधिकारी एवं प्रशासनिक कर्मचारियों के लिये उनकी क्षमता निर्माण प्रोग्राम के तहत किया गया। जिससे कि उनकी कार्य में निपुणता एवं ज्ञान की वृद्धि हो सके तथा उनका कार्यालयों के दैनिक कार्यो के समुचित निष्पादन हेतु बेहतर उपयोग किया जा सके। उन्होंने जानकारी दी कि 3 दिवसीय कार्यक्रम 6 से 8 नवम्बर तक राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में आयोजित किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में नफे सिंह, पूर्व उपनिदेशक ISTM, नई दिल्ली द्वारा पे- फिक्शेसन, वार्षिक वेतन वृद्धि एवं स्थापना से संबंधित कार्यों के बारे में जानकारी दी। डॉ. आन्या बोरा, द्वारा मोटिवेशनल स्किल एवं लाईफ स्किल के बारे में जानकारी दी। अरविन्द अग्रवाल, सहायक लेखा अधिकारी द्वारा केन्द्रीय सेवा नियमावली की विस्तृत जानकारी दी। विनोद सेंचा, कोर फेकल्टी (IT) द्वारा ई-ऑफिस एवं फाईल मेनेजमेंट की जानकारी दी एवं नितिन सारस्वत, मोटीवेटर द्वारा सभी को कार्य के प्रति मोटीवेट किया गया। राजीव माहेश्वरी, सहायक लेखा अधिकारी द्वारा जेम-पोर्टल के माध्यम से की जाने वाली खरीददारी के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में नफे सिंह, पूर्व उप निदेशक ISTM,दिल्ली द्वारा NPS/APAR/GPF/CEA/LTC के बारे में जानकारी दी। डॉ. सोनी कुलश्रेष्ठ विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर, मणीपाल विश्वविद्यालय द्वारा आर टी आई एवं ग्रिवेंस के बारे में जानकारी दी। जी. डी. गुप्ता परामर्शदाता (प्रशासन) ने स्थापना से संबंधित सभी विषयों पर जानकारी की। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय यूनानी अनुसंधान परिषद, मुख्यालय नई दिल्ली से डॉ. पवन यादव एवं डॉ.आर.पी.मीणा भी उपास्थित रहे।

गोल्ड, इक्विटी और रियल एस्टेट

लंबी अवधि के लिए निवेशक किस असेट पर करें भरोसा?

नंबर 1 कौन?

16.1% (CAGR) रिटर्न निफ्टी मिडकैप 150 TRI ने 20 साल में दिया

पिछले कुछ महीनों में तीन तरह की बातें कुछ अफसोस, जबरदस्त खुशी और थोड़ी उलझन के साथ दिखी हैं। एक, अब तो देर हो गई, भाव इतना चढ़ गया कि खरीदने लायक नहीं रह गया है। दो, ट्रंप की दोबारा वापसी के समय ही लग गया था कि अब इसमें तेजी का दौर थमने वाला है। उसके पहले का तो था ही, उसके बाद जो खरीदा, उसका भी बढ़िया फायदा रहा है। तीन, जो छूट गया, उसकी बात नहीं, पर अभी कुछ खरीदा जा सकता है या नहीं, भाव तो चढ़ना ही चाहिए? इस पूरी बहस के केंद्र में रहा है गोल्ड। इसकी वजह भी है। पिछले सालभर में जहां शेयर बाजार रह-रहकर आए उछाल के बाद भी नया शिखर छूने में हांफता दिखा, वहीं सोने का का भाव करीब 54% चढ़ गया। इस हंगामाखेज तस्वीर की इतनी चर्चा हुई कि इनवेस्टमेंट की मैराथन रेस से ध्यान हट गया। आइए देखते है, लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट की इस रेस में इक्विटी, गोल्ड और रियल एस्टेट किस पोजिशन पर है।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पिछले एक साल मे गोल्ड की तेज रफ्तार ने शेयर बाजार और रियल एस्टेट, दोनों को पीछे छोड़ दिया है। सोने की कीमतो मे आई 50% से ज्यादा की बढ़त ने निवेशको का ध्यान फिर से अपनी ओर खीच लिया है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ अल्पकालिक उछाल है या गोल्ड लंबी दौड़ मे भी विजेता है? आइए देखते है, इस निवेश मैराथन मे नंबर 1 कौन साबित हुआ- गोल्ड, इक्विटी या फिर रियल एस्टेट?

100 मीटर की रेस:

पिछले सालभर की तस्वीर को अगर 100 मीटर की फर्राटा रेस की तरह देखें तो बाजी गोल्ड के हाथ लगी है। अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप की वापसी की आहट के बीच पिछले साल अक्टूबर में इसने इंटरनैशनल मार्केट में 2800 डॉलर प्रति औंस का नया हाई बनाया था। उसके बाद इस साल अक्टूबर में यह 4379 डॉलर के नए शिखर पर चला गया। इंडियन मार्केट में भी इसने 1 लाख 30 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम का लेवल पार किया। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह 3995 डॉलर प्रति औंस और भारतीय बाजार में 1 लाख 25 हजार रुपये के करीब है। डॉलर पर निर्भरता घटाने पर जोर और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नीतियों से जियो-पॉलिटिकल रिस्क बढ़ने के चलते गोल्ड में रैली आई। भारत के रिजर्व बैंक और चीन के पीपल्स बैंक ऑफ चाइना सहित दुनिया के कई केंद्रीय बैंकों की ओर से लगातार खरीदारी ने भी गोल्ड को ऊंचे स्तर पर बनाए रखा।

वहीं, पिछली दिवाली पर 24304 पॉइंट्स पर क्लोज होने के बाद से निफ्टी 50 में कुछ खास बढ़त नही रही और यह 24000 से 25000 की रेंज में रहा है। पिछले साल सितंबर में इसने 26277 का शिखर छुआ था। इस साल 17 अक्टूबर को इसने 25781 का 52 हफ्तों का हाई टच किया और इस साल पहली बार 25700 के ऊपर बंद हुआ। फिलहाल यह 25500 पॉइंट्स के आसपास बना हुआ है।

उधर, एनारॉक की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई सहित देश के टॉप 7 शहरों में पिछले सालभर में घरों के दाम औसतन 9% बढ़े है। जुलाई-सितंबर तिमाही में सालभर पहले के मुकाबले दिल्ली में दाम सबसे ज्यादा 24% और बेंगलुरु में 10% बढ़े। वहीं, Proptiger.com के मुताबिक, टॉप 8 शहरों में सालभर में दाम 7 से 19% तक बढ़े है और सबसे ज्यादा 19% बढ़त दिल्ली-एनसीआर में रही है।

मैराथन रेस:

Fundsindia.com की स्टडी में गोल्ड, इक्विटी और रियल एस्टेट से अलग-अलग अवधि के दौरान रिटर्न की तुलना की गई है। इसमें निफ्टी 50 के बजाय निफ्टी 50 TRI (Total Return Index) इंडेक्स लिया गया है। निफ्टी टोटल रिटर्न इंडेक्स में निफ्टी में बढ़त के साथ निवेशक को मिलने वाले डिविडेंड को भी जोड़कर देखा जाता है। इस स्टडी में 5, 10, 15 और 20 साल की अवधि पर गौर किया गया है और गोल्ड का भाव रुपये में देखा गया।

स्टडी के मुताबिक, 5 साल की अवधि में गोल्ड ने 19.4% और इक्विटी (निफ्टी 50 TRI) ने 18.4% की CAGR यानी सालाना चक्रवृद्धि दर से रिटर्न दिया। वहीं, NHB रेजिडेक्स की मदद लेते हुए इसमें बताया गया कि रियल्टी से रिटर्न 5.5% CAGR का रहा। 10 साल की अवधि में गोल्ड से रिटर्न 16.6%, शेयर बाजार से 13.3% और रियल्टी से 5.1% की CAGR से मिला। 15 साल की अवधि में गोल्ड से रिटर्न 12.4% की CAGR से, इक्विटी से 11.2% और रियल एस्टेट से रिटर्न 5.9% की सालाना चक्रवृद्धि दर से मिला। वहीं, 20 साल की अवधि में गोल्ड ने 15%, निफ्टी TRI ने 13.3% और रियल्टी ने 7.7% की दर से रिटर्न दिया।

20 साल, यानी लॉन्ग टर्म में किसने दिया कितना रिटर्न?

गोल्ड	15%
निफ्टी 50 TRI	13.3%
रियल एस्टेट	7.7%

स्रोत: Fundsindia.com

निफ्टी 50 TRI (Total Return Index) मे निफ्टी 50 मे बढ़त के साथ निवेशक को मिलने वाले डिविडेंड को भी जोड़कर देखा जाता है।

किस निवेश ने कितना रिटर्न दिया?

इंडेक्स (30 सितंबर 2025 तक)	कितनी वृद्धि हुई (CAGR%)					
	1 साल	3 साल	5 साल	10 साल	15 साल	20 साल
भारतीय इक्विटी (निफ्टी 50 TRI)	-3.5	14.2	18.4	13.3	11.2	13.3
US इक्विटी (S&P 500 TRI रुपये में)	24.7	28.6	20.9	18.9	20.0	14.9
सोना (रुपये में)	51.7	35.4	19.4	16.6	12.4	15.0
रियल एस्टेट	5.2	6.4	5.5	5.1	5.9	7.7

इक्विटी का भी जलवा कम नही

इंडेक्स (30 सितंबर 2025 तक)	कितनी वृद्धि हुई (CAGR%)					
	1 साल	3 साल	5 साल	10 साल	15 साल	20 साल
लार्ज कैप						
निफ्टी 100 TRI	-4.8	14.4	18.7	3.5	11.5	13.5
मिडकैप						
निफ्टी मिडकैप 150 TRI	-5.2	22.5	27.5	18.2	15.5	16.1
स्मॉलकैप						
निफ्टी स्मॉलकैप 250 TRI	-8.8	22.7	28.2	15.6	13.0	14.2
फ्लैक्सी कैप						
निफ्टी 500 TRI	-5.3	16.4	20.7	14.3	12.0	13.5

ट्रोफी गोल्ड के हाथ?

रियल एस्टेट तो रेस में काफी पीछे है और निफ्टी 50 TRI से तुलना करने पर गोल्ड विजेता दिख रहा है। लेकिन इस मुकाबले में बड़े मियां की जगह छोटे मियां उतरते है, तो तस्वीर बदल जाती है। छोटे मियां यानी निफ्टी मिड कैप 150 TRI का पलड़ा भारी दिखता है। 5 साल में गोल्ड के 19.4% के मुकाबले निफ्टी मिड कैप TRI से रिटर्न 27.5% रहा। वही, 20 साल में यह तस्वीर 15% के मुकाबले 16.1% की हो जाती है। निफ्टी स्मॉल कैप 250 TRI का रिटर्न भी गोल्ड से बेहतर है। Fundsindia की सीनियर मैनेजर (रिसर्च) जिरल मेहता ने कहा, 'ओवरऑल 7 साल से ज्यादा के टाइम फ्रेम के साथ भारतीय शेयर बाजार मे किए गए निवेश से अच्छा रिटर्न मिला है। 15-20 साल की अवधि में इक्विटी ने गोल्ड से 2 से 3% तक बेहतर रिटर्न दिया है। वही, रियल एस्टेट के मुकाबले इक्विटी इनवेस्टमेंट से रिटर्न 5 से 6% तक ज्यादा रहा है।'

म्यूचुअल फंड्स निकले निवेश की दुनिया के छुपे रुस्तम

लॉन्ग टर्म मे मिड कैप और फ्लेक्सी कैप फंड्स ने गोल्ड और रियल एस्टेट दोनों को ही पछाड़ दिया।

ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स के फाउंडर पंकज मठपाल ने कहा, 'बहुत लंबी अवधि में शेयर बाजार और गोल्ड से रिटर्न कमोबेश एक जैसे हैं या इंडेक्स रिटर्न 2-3% ही ज्यादा दिखेगा, लेकिन एक्टिवली मैनेज्ड म्यूचुअल फंड्स का रिटर्न कही बेहतर है। मिड कैप, स्मॉल कैप हो या फ्लेक्सी कैप, इनसे लॉन्ग टर्म में ज्यादा रिटर्न का चांस रहता है। गोल्ड में भी निवेश हो, पिछले सालभर के इसके प्रदर्शन ने यह बात साफ कर दी है। पोर्टफोलियो में 10-15% गोल्ड जरूर रखें।'

Fundsindia के अनुसार, फ्रैंकलिन इंडिया मिड कैप फंड ने 15 और 20 साल में क्रमशः 15.7%, 15.2%, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड ने 14.9% और 17.1%, फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड ने 13.7% और 16%, जबकि HDFC फ्लेक्सी कैप फंड ने 13.6% और 16.6% वार्षिक रिटर्न दिया। दोनों अवधि में इनका प्रदर्शन गोल्ड से बेहतर रहा। जिरल मेहता के अनुसार, क्वॉलिटी, वैल्यू और मोमेंटम आधारित पोर्टफोलियो लंबी अवधि के लिए सबसे सही है।

सक्षम वेल्थ के डायरेक्टर समीर रस्तोगी ने कहा, 'लंबी अवधि के लिए इक्विटी सबसे अच्छा दांव है। रियल एस्टेट से रिटर्न इस बात पर निर्भर होता है कि लोकेशन कैसी है और निवेश के समय इंफ्रा डिवेलपमेंट किस स्टेज में है। मेंटेनेंस कॉस्ट और टैक्स को मिलाकर रेंटल यील्ड घट जाती है। वही, गोल्ड से पोर्टफोलियो को सेफ्टी मिलती है, लेकिन उछाल को देखते हुए बहुत ज्यादा निवेश नही करना चाहिए। हर एसेट क्लास को मिलाते हुए बैलेंस्ड पोर्टफोलियो रखना चाहिए।'

वीकली मार्केट

कैसी है बाज़ार की चाल, किन शेयरों पर चलें दांव?

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अक्टूबर में लगातार चार हफ्तों की बढ़त के बाद शेयर बाजार दो हफ्तों से फिसलन पर है। पिछले सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी 50 लगभग 0.9% गिर गए। यह पिछले डेढ़ महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट रही। विदेशी निवेशकों (FIIs) की बिकवाली और अमेरिका में सरकारी कामकाज के आंशिक ठप होने से निवेशक सतर्क है। इस हफ्ते बाजार की दिशा तय करने में महंगाई के आंकड़े, बजाज फाइनैंस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, ONGC, हीरो मोटो और बजाज फिनसर्व जैसी दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे अहम भूमिका निभाएंगे। इस हफ्ते कई बड़ी कंपनियां डिविडेंड और शेयर बायबैक के लिए रिकॉर्ड डेट तय कर चुकी है। इन पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

किधर जाएगा बाजार?: जियोजीत इनवेस्टमेंट्स के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'मार्केट डायरेक्शन देश में महंगाई के आंकड़ों और FII के निवेश के अलावा अमेरिकी सरकार के शटडाउन से जुड़े घटनाक्रमों से तय होगा।' PL कैपिटल के अडवाइजरी हेड विक्रम कसाट का कहना है कि इस हफ्ते निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही नतीजों और विदेशी निवेश पर रहेगी। शॉर्ट-टर्म मोमेंटम और सेक्टर रोटेशन इन्हीं संकेतों से तय होगा। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स के चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ. वी.के. विजयकुमार का कहना है कि डोमेस्टिक इन्वेस्टर्स की लिवाली के बावजूद विदेशी बिकवाली से बाजार कमजोर है। FIIs फिलहाल सस्ते बाजारों की ओर रुख कर रहे है। उन्होंने कहा, 'शॉर्ट कवरिंग से ट्रेंड बदल सकता है, लेकिन अभी कोई मजबूत ट्रिगर नहीं दिख रहा।'

कैसी रखी जाए रणनीति?: LKP सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रूपक डे ने कहा, '26100 पॉइंट्स के करीब डबल टॉप बनाने के बाद से ही निफ्टी गिर रहा है। हाल में यह एक अहम मूविंग ऐवरेज से नीचे चला गया, जिससे काफी बेयरिश टोन बन गया है। एक अहम रेजिस्टेंस 25600 पर है। जब तक निफ्टी इससे नीचे रहेगा, बढ़त पर बिकवाली की रणनीति का सेंटिमेंट बना रहेगा। लोअर एंड पर 25400 पर सपोर्ट है। इससे नीचे जाने पर मंदड़ियों का हौसला और मजबूत हो सकता है।' एंजल वन के इक्विटी टेक्निकल एनालिस्ट राजेश भोसले ने कहा, '25350-25300 के दायरे में सपोर्ट दिख रहा है। निकट भविष्य में यहां से कोई भी ब्रेकडाउन सेंटिमेंट को कमजोर कर सकता है। दूसरी ओर, 25650-25700 एक रेजिस्टेंस जोन की तरह काम कर सकता है और एक मजबूत बैरियर 25800 के करीब है। वहां से आगे निकलने पर ही बाजार में खरीदारी का मोमेंटम बन सकता है। डॉ वी के विजयकुमार ने कहा, 'निवेशकों के लिए यह अच्छा समय है कि वे कम वैल्यूएशन वाले लार्ज कैप्स में निवेश बढ़ाते हुए अपने पोर्टफोलियो में बदलाव करें। FII की ओर से लगातार बिकवाली ने उचित वैल्यूएशन वाले लार्ज कैप्स के भाव गिरा दिए है, खासतौर से बैंकिंग और फार्मास्युटिकल्स में ऐसा हुआ है और इनमें आने वाले दिनों में अच्छी ग्रोथ की संभावना भी है।'

क्या खरीदें?: एलारा कैपिटल ने विनती ऑर्गेनिक्स को 1997 रुपये और स्टार सीमेंट को 302 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने की सलाह दी है। उसने एस्ट्रल (TR ₹1650), देवयानी इंटरनैशनल (TP ₹185), गोदरेज प्रॉपर्टीज (TP ₹3700), मिंडा कॉरपोरेशन (TP ₹746) और NHPC (TP ₹105) को बाय रेटिंग दी है। वही, PL कैपिटल ने ABB इंडिया (TP ₹5540) को खरीदने की सलाह दी है। एमके ग्लोबल ने ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (₹65) और गल्फ ऑयल लुब्रिकेंट्स (₹1900) को बाय रेटिंग दी है।

अंदर देखें ये खास स्टोरी

IPO या फिर सेकंडरी मार्केट में पैसा लगाना ठीक रहेगा?

इन दिनों निवेशकों में IPO को लेकर जबरदस्त उत्साह नजर आ रहा है। नई कंपनियों के इश्यू रिकॉर्ड तोड़ रहे है और निवेशक लिस्टिंग गेन के लालच मे बढ़-चढ़कर

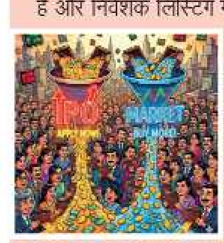

हिस्सा ले रहे है। वही, सेकंडरी मार्केट सुस्त जरूर है, लेकिन वहां रिसर्च और स्थिर रिटर्न की संभावना बनी हुई है। सवाल यही है कि क्या IPO की हाइप मे निवेश करना समझदारी है या सेकंडरी मार्केट मे टिके रहना ज्यादा बेहतर फैसला साबित हो सकता है? यहां एक्सपर्ट्स समझा रहे है कि IPO की चमक और सेकंडरी मार्केट की गहराई के बीच निवेश का सही संतुलन कैसे बनाए रखें?

संपत्ति का बंटवारा कब सही, जीवित रहते या उसके बाद?

अक्सर लोग इस सवाल का सही जवाब नही सोच पाते कि संपत्ति का बंटवारा जीवनकाल मे ही कर दिया जाए या फिर वसीयत के जरिए अपनी मौत के बाद बंटवारा करें? सही

समय पर सही फैसला न हो तो पारिवारिक विवाद और कानूनी उलझनें बढ़ जाती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि कम से कम वसीयत जरूर बनानी चाहिए, क्योंकि यह सबसे बुनियादी और जरूरी दस्तावेज है। वही, जिनके बच्चे विदेश मे रहते है या अशक्त/दिव्यांग है, उनके लिए संपत्ति का नियोजन और भी अहम हो जाता है। आइए, जानते है कि संपत्ति का बंटवारा कैसे करें कि परिवार मे शांति बनी रहे।

जागरूक खबरें

डॉ.रमेश बारुपाल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान

बीकानेर @ जागरूक जनता। होम्योपैथी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित *बीकानेर के प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ.रमेश बारुपाल को इंडोनेशिया के बाली में आयोजित 27वें इंटरनेशनल होम्योपैथिक सेमिनार में विशेष सम्मान से नवाजा गया*। यह सेमिनार केंट फार्मास्यूटिकल्स द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें दुनिया भर के होम्योपैथिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉ. बारुपाल को यह सम्मान होम्योपैथी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और रोगियों की सेवा के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किया गया। होटल हिल्टन बाली इंडोनेशिया में आयोजित हुआ। उनकी इस उपलब्धि से बीकानेर सहित पूरे राजस्थान का मान बढ़ाया

अंतिम इच्छानुरूप परिवार ने किया मरणोपरान्त नेत्रदान

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। वरिष्ठ नागरिक मंच के जिलाध्यक्ष और साधुमार्गी जैन संघ चित्तौड़गढ़ के पूर्व अध्यक्ष बसंतीलाल चंडालिया का शनिवार तड़के आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन के उपरान्त उनकी अंतिम इच्छा के अनुरूप शास्त्रीनगर स्थित उनके निवास पर उनके परिजनों की मौजूदगी में नेत्रदान किया गया। महावीर इंटरनेशनल द्वारा नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण करवाई गई। इस दौरान उनके परिवारजन अशोक कुमार, पारसमल, निर्मल, कमलेश सहित सम्पत बाफना, अमन, अर्पित चंडालिया, प्रतीक, पीयूष आदि मौजूद रहे। महावीर इंटरनेशनल चिकित्सालय के वसीम खान कार्निया द्वारा उत्सर्जन की प्रक्रिया करवाई गई। बसंतीलाल चंडालिया समाजसेवी होने के साथ साथ अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहे और कर्मचारी यूनियन के संभागीय अध्यक्ष रहे। चंडालिया आचार्य नानेश के वरिष्ठ श्रावकों में शामिल थे जिन्हें आचार्य नानेश सीधे ही सम्बोधित किया करते थे। वे आचार्य नानेश और रमेश मुनि के अनन्य भक्त रहे और उन्हें संघ के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया।

एसएंडपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2025 में वैश्विक स्तर पर नंबर 1

हिन्दुस्तान ज़िंक लगातार तीसरे वर्ष भी टॉप पर

मेटल और माइनिंग सेक्टर की 235 कंपनियों में से इण्डस्ट्री लीडिंग एसएण्डपी ग्लोबल सीएसए 2025 के लिए 90 स्कोर प्राप्त किए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। भारत का एकमात्र और दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत जिंक उत्पादक, और दुनिया के शीर्ष पाँच चांदी उत्पादकों में से एक, हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड ने 5 नवंबर 2025 तक एसएंडपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) 2025 में मेटल और माइनिंग क्षेत्र में विश्व में लगातार तीसरे वर्ष पहला स्थान बरकरार रखा है। कंपनी ने लगातार तीसरे वर्ष सस्टेनेबिलिटी में हैट्रिक बनाते हुए मेटल माइनिंग सेक्टर की 235 कंपनियों से अधिक 100 में से 90 सीएसए स्कोर प्राप्त किया जो कि जो पिछले पांच वर्षों में सर्वाधिक है।

एसएंडपी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासनिक (ईएसजी) प्रदर्शन के आकलन के लिए दुनिया के अग्रणी मानदंडों में से एक है। यह ईएसजी मानदंडों के आधार पर कंपनियों का मूल्यांकन करता है और उनकी सस्टेनेबिलिटी प्रथाओं का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। ये रैंकिंग कंपनियों के लिए अपने ईएसजी प्रदर्शन का आकलन करने, सुदृढ़ीकरण के क्षेत्रों की पहचान और वैश्विक सस्टेनेबिलिटी मानकों के साथ तालमेल बिठाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करती हैं। गत वर्ष, हिन्दुस्तान ज़िंक ने 2024 के मूल्यांकन के अनुसार 86 अंकों के साथ धातु और खनन उद्योग में वैश्विक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इस वर्ष, हिन्दुस्तान ज़िंक ने जलवायु रणनीति, सामुदायिक संबंध, अपशिष्ट और प्रदूषकों जैसे प्रमुख मापदंडों में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए। यह मान्यता दुनिया के सबसे स्थायी धातु और खनन संगठन के रूप में कंपनी की स्थिति को मजबूत करती है, जिस पर वैश्विक निवेशकों, भागीदारों और हितधारकों का समान रूप से भरोसा है। कंपनी का निरंतर नेतृत्व पर्यावरण प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, सुरक्षा और सामाजिक प्रदर्शन में एकीकृत सस्टेनेबिलिटी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

इकोजेन - एशिया की पहली कम कार्बन वाली जिंक जैसी पहलों और निरंतर डीकार्बोनाइजेशन उपायों के माध्यम से, हिन्दुस्तान ज़िंक औद्योगिक नवाचार और जलवायु उत्तरदायित्व में मानक स्थापित कर रहा है। कंपनी 3.32 गुना वाटर-पॉजिटिव भी है और हाल ही में इंटरनेशनल कांउसिल ऑन माइनिंग एण्ड मेटल्स में शामिल होने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी। ये उपलब्धियाँ परिचालन उत्कृष्टता, सतत विकास और मूल्य श्रृंखला में दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर उनके प्रमुखता से प्रयासों को रेखांकित करती हैं।

इस उपलब्धि पर हिन्दुस्तान ज़िंक की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि, लगातार तीसरे वर्ष मेटल और माइनिंग क्षेत्र में विश्व की सबसे सस्टेनेबल कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त होना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है।

यह मान्यता ईएसजी उत्कृष्टता के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता और जिम्मेदार, समावेशी विकास की हमारी निरंतर खोज को दर्शाती है। यह वह दिशासूचक है जो हमारे विकास को निर्देशित करता है - हर नवाचार, हर साझेदारी और एक अधिक सस्टेनेबल कल की ओर हर कदम को आकार देता है।

सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में हिन्दुस्तान ज़िंक निरंतर वैश्विक नेतृत्व दर्शाता है कि कैसे भारतीय उद्यम जिम्मेदार उद्योग के भविष्य को आकार दे रहे हैं। कंपनी वैश्विक सर्वोत्तम संचालन का समर्थन करती रही है, ईएसजी रिपोर्टिंग में पारदर्शिता को बढ़ावा देती रही है और 2050 तक अपने नेट जीरो लक्ष्य की दिशा में काम करती रही है। सस्टेनेबिलिटी व्यावसायिक दर्शन में गहराई से समाहित है, और हिन्दुस्तान ज़िंक वैश्विक जवाबदेही के साथ विश्व स्तरीय प्रदर्शन प्रदान करने की भारत की क्षमता का प्रतीक है।

कंपनी ने अपने परिचालनों में वृत्ताकार अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को एकीकृत किया है, प्रमुख स्थलों पर 100 प्रतिशत से अधिक वॉटर रिसायकल किया है, लैंडफिल में जीरो वेस्ट बनाए रखा है और जिम्मेदार खदान संचालन को सुनिश्चित किया है। 530 मेगावाट बिजली वितरण एमओयू के साथ, हिन्दुस्तान ज़िंक की योजना वित्त वर्ष 2028 तक अपनी 70 प्रतिशत बिजली रिन्यूएबल स्त्रोतों से प्राप्त करने की है, जिससे उसके कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी। कंपनी अपनी स्मार्ट माइनिंग पहल के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों, कम उत्सर्जन वाले ईंधन वाहनों और डिजिटल दक्षता प्रणालियों को अपनाकर कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की दिशा में भी काम कर रही है। पर्यावरणीय लक्ष्यों के साथ ही हिन्दुस्तान ज़िंक की सस्टेनेबिलिटी में सामाजिक प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आजीविका और महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है, जिससे वित्त वर्ष 2025 में 2.3 मिलियन से अधिक लोगों को लाभ होगा।

महाराणा स्वर्गीय महेन्द्र सिंह मेवाड़ की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ राजवंश के 76वें उत्तराधिकारी महाराणा स्वर्गीय महेन्द्र सिंह मेवाड़ की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर जौहर भवन, सेक्टर-4, गांधी नगर चित्तौड़गढ़ में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर सर्वसमाज, सर्वधर्म के गणमान्य नागरिकों, जौहर स्मृति संस्थान, मेवाड़ क्षत्रिय महासभा, श्री क्षत्रिय युवक संघ, राजपूत समाज के विभिन्न संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि महाराणा महेन्द्र सिंह मेवाड़ भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वे चित्तौड़गढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे मेवाड़ की जनता के हृदय में सदैव जीवित रहेंगे। मेयो कॉलेज से स्नातक होने के बावजूद वे सदैव मेवाड़ी भाषा में बात करना पसंद करते थे। जौहर स्मृति संस्थान के महामंत्री तेजपाल सिंह शक्तावत ने बताया कि महाराणा स्वर्गीय महेन्द्र सिंह मेवाड़ न केवल मेवाड़ की परंपरा और संस्कृति के प्रतीक थे, बल्कि 36 कौम को साथ लेकर चलने वाले जननेता भी थे। वे वर्ष 1989 में चित्तौड़गढ़ से लोकसभा सांसद निर्वाचित हुए थे। संस्थान द्वारा आयोजित होने वाले प्रतिवर्षीय जौहर श्रद्धांजलि समारोह की अध्यक्षता भी वे ही किया करते थे। वर्तमान में उनके पुत्र महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़, जो नाथद्वारा से विधायक हैं, इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं पुत्रवधु महाराणी महिमा कुमारी मेवाड़ राजसमंद से सांसद हैं।

इस अवसर पर सिक्ख समाज के हरपाल सिंह अरोड़ा, संस्थान के महामंत्री तेजपाल सिंह शक्तावत, कोषाध्यक्ष गोवर्धन सिंह भाटी, पूर्व उपाध्यक्ष कर्नल रणधीर सिंह बस्सी, पूर्व महामंत्री भंवर सिंह खरड़ीबावड़ी, कार्यकारिणी सदस्य नरोत्तम सिंह सौलकी व श्याम सिंह हाड़ा, सेन समाज प्रवक्ता हंसराज सेन, नामदेव दर्जी समाज के गोपाललाल टेलर व करण सिंह दीपपुरा, श्री भूपाल राजपूत छात्रावास कार्यकारिणी सदस्य पाबू सिंह, श्री क्षत्रिय युवक संघ के दिलीप सिंह रूद, विक्रम सिंह झालरा, नरेन्द्र सिंह नरदारी, हिम्मत सिंह झाला, लक्ष्मण सिंह भाटियो का खेड़ा, पूर्व सरपंच गोविन्द सिंह नेतावलगढ़, रूप सिंह शक्तावत व किशन सिंह चित्तौड़ी खेड़ा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने महाराणा स्वर्गीय महेन्द्र सिंह मेवाड़ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नमन करते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

विश्व हिंदू परिषद सहित आबूवासियों ने सौंपा ज्ञापन

सरकारी विद्यालय को रखा जाए यथास्थित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। शहर के मुख्य बाजार में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को यथास्थित रखने की मांग व विद्यालय के स्थानांतरण के विरोध में विश्व हिंदू परिषद प्रखंड के नेतृत्व में शहर के विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाएं, राजनैतिक एवं गैर राजनैतिक संगठन, हर धर्म, पंथ, संप्रदाय के जागरूक नागरिकों ने राजस्थान के महामहिम राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी अंशु प्रिया को उपखंड कार्यालय में ज्ञापन सौंपा और सांकेतिक धरना दिया। विश्व हिंदू परिषद द्वारा दिए गए ज्ञापन में मुख्य बिंदु पर विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष खुशवंत राज ने बताया कि शहर में नक्की झील मार्ग पर 128 वर्ष ब्रिटिशकालीन भवन बना हुआ, जिसका पूर्व में सेंट वॉल्टर हाई स्कूल नाम था एवं वर्तमान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नाम में जाना जाता है। 100 वर्ष से अधिक समय होने के कारण विद्यालय जर्जर हुआ था, जिसका वर्तमान में भी रिपेयरिंग रिनोवेशन का कार्य चल रहा है। वर्तमान में कुछ भू - माफियाओं की सहयोग से गिने - चुने जनप्रतिनिधियों द्वारा भ्रामक तथ्य देकर जयपुर शिक्षा विभाग के मंत्री एवं अधिकारियों को भ्रमित करके जमीन के नाम पर पार्किंग बनाकर वाणिज्यिक गतिविधियों करना चाहते है। जो कि सरासर गलत हैं। जिसको लेकर शहर की समस्त जनता इससे आहट भी है और उनमें इस विषय पर रोष भी है, क्योंकि यह विद्यालय आबू की जनता की प्रमुख धरोहर में से एक है। विद्यालय को राजनीति के भेट चढ़ने से रोकने के लिए आबू के समस्त जागरूक नागरिक उपस्थित हुए और विद्यालय को यथास्थित रखने को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

घर में निकला छह फीट लंबा खतरनाक कोबरा, किया रेसक्यू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। शहर के चामटी खेड़ा क्षेत्र स्थित वृंदावन गार्डन के पीछे एक घर में बीते दिनों करीब छह फीट लंबा खतरनाक कोबरा निकलने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही एल.के. दाशोरा ने तुरंत वन्यजीव प्रेमी मुबारक खान पठान को मौके पर बुलाया। कोबरा अत्यंत विषैला था और घर के कोने में छिपा हुआ था। मुबारक खान पठान ने साहस और सतर्कता के

साथ जोखिम भरा रेस्क्यू ऑपरेशन

चलाया और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद कोबरा को सुरक्षित रूप से पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। यह रेस्क्यू दोपहर एक बजे संपन्न हुआ। घर में कोबरा निकलने की सूचना से आसपास के क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। वन्यजीव प्रेमी मुबारक खान ने बताया कि यदि कहीं कोबरा या कोई भी विषैला सर्प दिखाई दे, तो स्वयं पास जाने का प्रयास न करें तुरंत वन्यजीव विशेषज्ञ या सर्प रेस्क्यू टीम को सूचित करें।

वन्यजीव क्षेत्रों में चला सफाई अभियान

दो ट्रॉली कचरा व कांच की टुकड़े किए एकत्रित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

माउंट आबू। 20 नम्बर पीलर के वन्यजीव क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान सन्चालित किया गया। उपवन संरक्षक आबू पर्वत शुभम जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि वन्य जीव अभ्यारण क्षेत्र के वन पथ एवं सड़कों पर कचरे के निष्पादन हेतु अभियान का संचालन किया गया। अभियान में सहायक वनरक्षक वन्य जीव सुमेश बालन के उपस्थिति में इस अभियान के तहत जंगल रेस्टोरेंट से 20 नंबर पिलर आरना तक विशेष सफाई अभियान चलाकर सड़क के किनारे फैले कचरा प्लास्टिक की, कांच की बोतल व्यपर को एकत्रित किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय वन अधिकारी वन्यजीव गजेंद्र सिंह, वनपाल राजेश बिश्नोई, मोहन राम, वनरक्षक जिरमा देवी, शेर सिंह, रामकुमार यादव, देवी चौधरी, रवि कुमार, पुराण कुमार, विनोद, अंकित राजपुरोहित, महेंद्र दान चार्ली, रमेश अलीका सहित विभाग के कार्मिक व नेचर गाइड के सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान करीब दो ट्रॉली कचरे का निष्पादन किया गया।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से की निष्पक्ष जांच की मांग

रोहिड़ा पंचायत के प्रशासक पर अतिक्रमण और अवैध खनन के आरोप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। पिण्डवाड़ा तहसील के रोहिड़ा ग्राम पंचायत क्षेत्र के पीपेला गांव में अतिक्रमण और अवैध खनन का मामला गर्मा गया है। ग्राम पंचायत रोहिड़ा के प्रशासक (सरपंच) पवन राठौड़ पर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच पवन राठौड़ ने गांव में करीब 2.03 बीघा भूमि फैक्ट्री खोलने के नाम पर अपने रिश्तेदारो के नाम खरीदी थी, लेकिन वास्तव में करीब 6 से 7 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त भूमि पर पहाड़ों की खुदाई कर अवैध खनन किया जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में ब्रेकर और जेसीबी मशीनों से पत्थर निकाले जा रहे हैं, जिन्हें निजी वाहनों से अन्य स्थानों पर बेचने के लिए ले जाया जा रहा है। गांव में हुई एक बैठक के दौरान भी ग्रामीणों ने सरपंच से इस मामले पर जवाब मांगा था, मगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वहीं, सरपंच पवन राठौड़ ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि "यह गांव के कुछ लोगों द्वारा फैलाया गया भ्रम है, इसमें किसी प्रकार की सच्चाई नहीं है।" इस मामले को अब जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। सोमवार को पीपेला गांव के ग्रामीणों ने सिरोही अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की गई।

प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

सिरोही के अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेश गोयल ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा दिए गए ज्ञापन पर कार्रवाई करते हुए पिण्डवाड़ा तहसीलदार और उपखण्ड अधिकारी को मौके पर जाकर जांच के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि "जांच पूरी तरह निष्पक्ष होगी और तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार कर जिला प्रशासन को भेजी जाएगी।"

सुलगते सवाल

***अब** यह मामला पूरी तरह प्रशासन के पाले में है। सवाल यह है कि आखिर प्रशासक पवन राठौड़ पर लगे आरोपों की सच्चाई क्या है? यदि ग्रामीणों की शिकायतें निराधार हैं, तो शिकायतकर्ताओं को तलब कर स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। वहीं, यदि ग्रामीणों के आरोपों में दम है, तो निष्पक्ष जांच कर सख्त कार्रवाई आवश्यक होगी। गांव में दो पक्ष बनने से माहौल लगातार तनावपूर्ण बना हुआ है—कभी सरपंच के समर्थन में तो कभी विरोध में ज्ञापन दिए जा रहे हैं। ऐसे में प्रशासन के लिए यह जरूरी हो गया है कि तथ्यात्मक जांच के बाद पूरी सच्चाई सार्वजनिक की जाए, ताकि यह साफ हो सके कि गांव में सच कौन बोल रहा है और भ्रम कौन फैला रहा है।*

कार्यशाला : देशभर के किसानों के लिये तय होंगे कार्यक्रम

150 से ज्यादा कृषि वैज्ञानिक करेंगे केवीके कार्यप्रणाली की समीक्षा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली प्रदेशों में कार्यरत कुल 67 कृषि विज्ञान केन्द्रों के कामकाज की गहन समीक्षा और विकसित भारत के संकल्प को रेखांकित देश के कृषि संसार की आगामी दशा व दिशा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय वार्षिक जोनल कार्यशाला बुधवार प्रातः 09.00 बजे से प्रसार शिक्षा निदेशालय के प्रज्ञा सभागार में आरम्भ होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्-अटारी, जोन-2, जोधपुर एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में देशभर से 150 से ज्यादा ख्यातिनाम कृषि वैज्ञानिक - अधिकारी भाग ले रहे हैं। गतवर्ष यह महत्वपूर्ण आयोजन हिसार (हरियाणा) में हुआ था।

नई रणनीति व नये कार्यक्रम होंगे तय-डॉ. मिश्रा

निदेशक अटारी, जोन-2 डॉ. मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में देशभर में कल 731 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत हैं। जोन-2 में आने वाले राज्य राजस्थान (44), हरियाणा (22) एवं दिल्ली (01) कृषि विज्ञान केन्द्र को मिलाते हुये कुल 67 केवीके के कार्यों की वार्षिक समीक्षा की जायेगी। साथ ही देशभर के किसानों को नई दिशा एवं दशा पर गहन बौद्धिक मंथन करते हुए नई रणनीति व नये कार्यर् म सुनिश्चित करते हुए उन्हें साकार रूप में लाने का संकल्प लिया जायेगा। कार्यशाला ध्येय किसानों को फसलोत्पादन, उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने, पर्यावरण अनुकूल खेती, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है। कार्यशाला में इस जोन के सभी विश्वविद्यालयों के प्रसार शिक्षा निदेशक भी भाग लेंगे। इनमें चैधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. बलवन्त मेहता, श्री केशवानन्द कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर डॉ. दीपाली धवन, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के डॉ. आर.ए. शर्मा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के डॉ. जे.आर. वर्मा आदि भी उपस्थित रहेंगे। ये सभी केवीके अध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिकों को नवाचार के साथ-साथ ऐसे गुर भी सिखायेंगे ताकि विकसित भारत के संकल्प को साकार रूप दिया जा सके।

निदेशक, आईसीएआर-अटारी, जोन-2 (कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान), जोधपुर डॉ. जे.पी मिश्रा एवं निदेशक प्रसार शिक्षा, एमपीयूएटी डॉ. आर.एल. सोनी ने मंगलवार को यहां संयुक्त वक्तव्य में बताया कि कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर), नई दिल्ली के उपमहानिदेशक (प्रसार शिक्षा) डॉ. राजबीर सिंह होंगे। अध्यक्षता कुलगुरू, एमपीयूएटी डॉ. प्रताप सिंह करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बंगाल राज्य में स्थित विधानचन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एम.एम. अधिकारी, सहायक महानिदेशक आईसीएआर डॉ. रंजय कुमार सिंह, निदेशक राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान केन्द्र, करनाल डॉ. धीर सिंह, भारतीय सरसों अनुसंधान केन्द्र, भरतपुर के निदेशक डॉ. वी.बी. सिंह होंगे।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

ये तीसरी बार है, जब इस हाईवे पर एयरफोर्स के फाइटर प्लेन को सफलतापूर्वक उतारा गया है। अभ्यास शुरू होने से पहले हाईवे पर आम यातायात को पूरी तरह बंद किया गया।

नेशनल हाइवे पर एयरफोर्स के जगुआर और सुखोई-30 ने भरी उड़ान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सांचौर। सांचौर उपखंड के चितलवाना ब्लॉक स्थित अगड़ावा-सेसावा हवाई पट्टी पर भारतीय वायुसेना का 'महा-गजराज' युद्धाभ्यास जारी है। इसमें ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट C-295 ने आपातकालीन स्ट्रिप पर टच एंड गो कर उड़ान भरी, जबकि फाइटर प्लेन जगुआर और सुखोई-30 ने हाईवे पर उतरने के बाद दोबारा उड़ान भरते हुए अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। यह युद्धाभ्यास ऑपरेशन सिंदूर के बीच हो रहा है, जिससे सीमाई सुरक्षा व्यवस्था और एयरफोर्स की तत्परता का आकलन किया जा रहा है।

पाकिस्तान बॉर्डर से 40 KM दूरी पर हो रहा ये अभ्यास

यह एक्सरसाइज राष्ट्रीय राजमार्ग NH 925A पर अगड़ावा-सेसावा में स्थित 3 किलोमीटर लंबी और 33 मीटर चौड़ी आपातकालीन एयर स्ट्रिप पर की जा रही है, जो भारत-पाकिस्तान तारबंदी से मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर है।

सफलतापूर्वक उतारा गया फाइटर प्लेन

यह तीसरा अवसर है, जब इस हाईवे पर फाइटर प्लेन को सफलतापूर्वक उतारा गया। अभ्यास शुरू होने से पहले हाईवे पर आम यातायात पूरी तरह बंद किया गया और सेना व पुलिस के जवानों को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया। इस आपातकालीन एयर स्ट्रिप के निर्माण में 32.95 करोड़ रुपए की लागत आई है, जिसे सामरिक दृष्टि से देश की महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है।

दोनों सिरों पर 40 गुणा 180 मीटर की दो पार्किंग

इस हवाई पट्टी की विशेषता यह है कि दोनों सिरों पर 40 गुणा 180 मीटर की दो पार्किंग बनाई गई हैं, जिससे फाइटर प्लेन पार्क किए जा सकें। इसके साथ ही 25 गुणा 65 मीटर का एटीसी प्लिंथ और डबल मंजिला कंट्रोल केबिन बनाया गया है, जिसमें सभी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। 3.5 किमी लंबी 7 मीटर चौड़ी सर्विस रोड भी पट्टी के समानांतर बनाई गई है ताकि आपातकालीन स्थिति में सैन्य वाहनों की त्वरित आवाजाही हो सके।

अभियान में शामिल रहे ये विमान

विंग कमांडर देवेंद्र पांडे ने बताया कि साउथ-वेस्टर्न कमांड की इस एक्सरसाइज का उद्देश्य आपातकालीन एयर लैंडिंग फील्ड की वैलिडिटी जांचना है। इस ऑपरेशन में C-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, फाइटर प्लेन जगुआर और सुखोई-30 शामिल रहे। यह अभ्यास न केवल भारतीय वायुसेना की ऑपरेशनल क्षमता को मजबूत करता है बल्कि बॉर्डर क्षेत्र में सामरिक तैयारियों को भी नई दिशा देता है।

भारत-भूटान मिलकर लिखेंगे ऊर्जा और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में नया अध्याय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

थिंपू। भारत और भूटान अब ऊर्जा व कनेक्टिविटी के क्षेत्र में मिलकर प्रगति का नया इतिहास रचने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भूटान के राजा जग्मे खेसार नामग्येल वांगचुक की जयंती समारोह में कहा कि भारत और भूटान न केवल सीमाओं से, बल्कि संस्कृति, मूल्यों और शांति से भी गहराई से जुड़े हैं। चांगलीमेथांग स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और कनेक्टिविटी बढ़ाने का आह्वान किया।

पीएम मोदी ने किया 1000 मेगावाट की जलविद्युत योजना का शिलान्यास

पीएम मोदी ने पूर्व राजा जग्मे सिंग्ये वांगचुक के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता ने भूटान को दुनिया का पहला 'कार्बन-नेगेटिव' देश बनाया। उन्होंने भूटान की 100% बिजली नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादित होने पर प्रसन्नता जताई। इस अवसर पर 1,000 मेगावाट की नई जलविद्युत परियोजना का शिलान्यास किया गया, जो भूटान की क्षमता में 40% वृद्धि लाएगी। साथ ही, लंबे समय से ठप एक अन्य परियोजना को पुनः आरंभ करने की घोषणा हुई। सौर ऊर्जा में सहयोग के लिए महत्वपूर्ण समझौते भी हस्ताक्षरित हुए।

भारत के साथ रेल नेटवर्क से जुड़ेगा भूटान

कनेक्टिविटी पर फोकस करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गेलेफु और समदरूप जोंगखार को भारत के रेल नेटवर्क से जोड़ने की परियोजना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, "कनेक्टिविटी अवसर पैदा करती है, जो समृद्धि लाती है।" इसके अलावा, गेलेफु माइंडफुलनेस सिटी के विकास के लिए भारत का पूर्ण समर्थन और आव्रजन चौकी स्थापना की घोषणा की। सीमा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी तेजी से काम हो रहा है।

भारत करेगा 10 हजार करोड़ की सहायता

पीएम ने 2014 में अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भूटान आने को भावुकता से याद किया। उन्होंने कहा, "हमारे संबंध सशक्त हैं; चुनौतियों का सामना साथ किया और अब प्रगति की राह पर हैं।" भारत ने भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के लिए 10,000 करोड़ रुपये की सहायता का उल्लेख किया। कार्यक्रम में पूर्व राजा की 70वीं जयंती मनाई गई, जहां पीएम मोदी ने उनके जीवन को ज्ञान, सादगी और सेवा का प्रतीक बताया। ये पहल दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगी।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन 24 से, तैयारियां शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। युवाओं में खेलों के प्रति रूचि बढ़ाने तथा युवा खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंच उपलब्ध कराने की दृष्टि से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन 24 नवम्बर से 5 दिसंबर तक किया जाएगा। 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) का आयोजन पहली बार राजस्थान में होगा। राज्य के सात शहरों अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा एवं जोधपुर में ये गेम्स आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राज्य सरकार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के सफल आयोजन की तैयारियां सुनिश्चित कर रही है। सभी संभागों में इस संबंध में जिला प्रशासनों द्वारा विभिन्न समितियों का गठन कर दिया गया है। साथ ही, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद में भी इस संबंध में समितियों का गठन कर गेम्स के भव्य आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। यूनिवर्सिटी गेम्स का लाइव टेलीकास्ट प्रसार भारती द्वारा करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री स्तर पर यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजन की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को निरंतर निर्देशित किया जा रहा है। सभी खेल अधिकारियों द्वारा स्थानीय प्रशासन से समन्वय कर खेलों के सुनियोजित आयोजन की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

बेहतर शिक्षा से बेटियां आत्मनिर्भर बनेंगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान ब्राह्मण महासभा जयपुर महानगर की ओर से दीपावली स्नेह मिलन समारोह विद्याधर नगर सैक्टर-4 स्थित परशुराम भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजबंधुओं ने एकजुटता के साथ ही नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाने का आह्वान किया। महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में सनातन धर्म के प्रचार पर भी बल दिया। वक्ताओं ने कहा कि बेहतर शिक्षा से ही बेटियां आत्मनिर्भर बनेंगी। सभी का दुपट्टा व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया।

सुंदरकांड के पाठ का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विधाधरनगर श्री जगदंबा मातेश्वरी मंदिर समिति जगदंबा कॉलोनी नया खेड़ा द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन आजन्य मित्र मंडल टीम द्वारा किया गया।मन्दिर समिति अध्यक्ष भंवर सिंह और सचिव नवरतन सिंह ने अजमेर से पधारे मुख्य अतिथि योगेंद्र सिंह गहलोत,विश्व हिंदू परिषद जयपुर महानगर के पूर्व प्रवक्ता मुकुल सिंह साँचोरा व शंकर यादव टीम का दुपट्टा पहनाकर सभी को श्री राम दरबार का चित्र भेट देकर स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम में प्रभु सिंह,रघुवीर सिंह,भवानी सिंह, राजेंद्र सिंह नरेंद्र सिंह,योगेंद्र सिंह,रविंद्र सिंह,अजय सिंह,निर्भय सिंह आदि काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में सहभागिता निभाई पंडित प्रदीप कुमार शर्मा द्वारा आरती कर समस्त भक्तों को प्रसादी वितरित की गई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लोहा मंडी हादसे में मृतकों को दी श्रद्धांजलि, घायलों से मुलाक़ात कर जानी कुशलक्षेम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के लोहा मंडी में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि दी। विद्याधर नगर में आयोजित सामूहिक श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि देने के बाद उपमुख्यमंत्री ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से हादसे की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ठोस सुरक्षा उपाय किए जाएँ। दिया कुमारी ने अस्पताल पहुँचकर घायलों से मुलाक़ात की और उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने कहा, "इस दुःखद दुर्घटना में हमने जो अनमोल जीवन खोए हैं, वह क्षति अपूरणीय है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और परिजनों को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान हो।"

उन्होंने आगे कहा कि ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों, इसके लिए प्रशासन और समाज–दोनों को मिलकर काम करना होगा। साथ ही उन्होंने हादसे के समय राहत और बचाव कार्य में सहयोग देने वाले सभी नागरिकों का धन्यवाद भी किया।

आराध्य श्री अग्रसेन जी का अपमान सहन नहीं करेगा अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री छत्तीसगढ़ शासन तथा माननीय प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री भारत सरकार से यह पुरजोर मांग की है कि छत्तीसगढ़ राज्य में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी से सम्बद्ध अमित बघेल द्वारा सार्वजनिक मंचों पर दिए गए वक्तव्यों में दिवंगत महापुरुषों – अग्रवाल समाज के आराध्य भगवान अग्रसेन जी, सिंधी समाज के आराध्य भगवान श्री झूलेलाल जी तथा देश के संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के प्रति अत्यंत अभद्र, आपत्ति जनक एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार छत्तीसगढ़ शासन से यह करबद्ध निवेदन करता है कि उपर्युक्त प्रकरण की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच तत्काल प्रारंभ की जाए। अमित बघेल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत कठोरतम विधिक कार्यवाही की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति महापुरुषों, आराध्यों या सार्वजनिक आस्थाओं का अपमान करने का दुस्साहस न कर सके।

राष्ट्रीय गीत का किया सामूहिक गायन

झुंझुनूं @ जागरूक जनता। एस एन विधालय की स्काउट एवं गाइड ने किया पूर्व मंत्री व बगरू विधायक डॉ कैलाश वर्मा एवं नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल का स्वागत व राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर नवलगढ़ नगरपालिका में आयोजित एस एन विधालय की स्काउट एवं गाइड ने राष्ट्रीय गीत का मंच पर सामूहिक गायन का नेतृत्व किया।

उदयपुर में एग्रीकल्चर एंड लाइवस्टॉक एंटरप्रेन्योरशिप पर नेशनल कांफ्रेन्स का शुभारंभ

महिलाओं को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाकर ही साकार होगा विकसित भारत का संकल्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। राजीविका (राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद), ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में एग्रीकल्चर एंड लाइवस्टॉक एंटरप्रेन्योरशिप पर 3 दिवसीय नेशनल कांफ्रेन्स का शुभारंभ मंगलवार को कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यशाला में देश भर से विशेषज्ञ, नीति निर्माता, उद्यमी तथा स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं शामिल हो रही हैं। कार्यशाला में कृषि एवं पशुधन उद्यमिता से ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने को लेकर मंथन किया जा रहा है।

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने कार्यशाला में देश के समस्त राज्यों से आए हुए अतिथियों, अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए केंद्र व राज्य सरकारें निरंतर प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण विकास एवं राजीविका विभाग की पूरी बागडोर महिला अधिकारियों को सौंप कर सकारात्मक संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखपति दीदी कार्यक्रम के माध्यम से देश भर में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस पहल की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट बनाने की संकल्पना महिला सशक्तिकरण से ही सार्थक होगी।

उन्होंने कहा कि राजीविका का उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक उन्नति के लिए स्वयं सहायता समूहों का गठन करना है। राज्य में 50.69 लाख ग्रामीण परिवारों को 4.25 लाख स्वयं सहायता समूहों, 31 हजार ग्राम संगठन एवं 1074 सीएलएफ (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) से जोडकर उन्हें वित्तीय सहायता एवं प्रशिक्षणों के माध्यम से उनकी आजीविका बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही हैं। आजीविका संवर्धन के अन्तर्गत लगभग 39.38 लाख परिवार कृषि एवं पशुपालन आधारित गतिविधियों से जुड़कर काम कर रहे हैं। राजीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रू. 2099.95 करोड़ की राशि आजीविका संवर्धन हेतु एवं रू. 10342.96 करोड़ का बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया। महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री बढ़ाने के लिए जैम एवं अमेजॉन ऑनलाइन प्लेटफार्म का उपयोग किया जा रहा हैं एवं फ्लिपकार्ट, ई-सरस पर प्रोडक्ट्स की ऑनलाइन मार्केटिंग की जा रही हैं। डॉ मीणा ने कहा कि 7037 महिला बिजनेस कॉरेस्पोडेंस द्वारा गाँवो में डोर स्टेप बैंकिग सर्विस पहुंचायी जा रही हैं, जिसमें खाते खोलना, रकम निकासी एवं जमा करना इत्यादि गतिविधियां हैं। विभिन्न जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों पर 254 कैंटीन प्रारम्भ की गई हैं जिसका संचालन राजीविका की महिलाओं द्वारा किया जा रहा हैं। उद्यम प्रोत्साहन के अन्तर्गत 54 हजार से अधिक महिला उद्यमों को स्थापित (सिलाई, ब्यूटी पार्लर, मसाला उधोग, हस्तशिल्प, किराना एवं लेडिज स्टोर इत्यादि) किया गया एवं प्रोत्साहन दिया गया है जिससें महिलाओं की आजीविका में वृद्धि हुई।

राजस्थान का देश के तीन सर्वश्रेष्ठ राज्यों में चयन

भीलवाड़ा और बाड़मेर सहित राज्य के नौ जिलें होंगे पुरस्कृत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 18 को प्रथम जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार प्रदान करेंगी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जल संचयन और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राजस्थान का चयन देश के तीन सर्वश्रेष्ठ राज्यों में तृतीय श्रेणी में किया गया है। इस कार्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रथम श्रेणी में चयनित हुए भीलवाड़ा और बाड़मेर जिलों को 2 करोड़ रुपये, द्वितीय श्रेणी में चयनित जिले जयपुर और उदयपुर को 1 करोड़ तथा तृतीय श्रेणी मे चयनित जिलों अलवर, डूंगरपुर, बारां, चित्तौड़गढ़ और सीकर को 25 लाख रूपये के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु छठे 'राष्ट्रीय जल पुरस्कार- 2025' 'प्रथम जल संचय जन भागीदारी' पुरस्कार नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 18 नवम्बर को प्रदान करेंगी। यह जल शक्ति अभियान 'वर्षा जल संचयन' के तहत जल संचय जन भागीदारी के अंतर्गत प्रमुख समुदाय-संचालित कार्यक्रम है। समग्र सरकार और समग्र समाज के दृष्टिकोण से प्रेरित यह पहल जमीनी स्तर पर जल प्रबंधन सहभागिता और सतत जल प्रशासन को बढ़ावा देती है। इन जल संरचनाओं में भवनों की छतों पर वर्षा जल संचयन के साथ ही झीलों, तालाबों और बावड़ियों का पुनरुद्धार करना शामिल है। इस पहल के तहत राज्यों को पांच क्षेत्रों में विभाजित कर कम से कम दस हजार कृत्रिम पुनर्भरण और जल भंडारण संरचनाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे श्रीराम मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजारोहण

अयोध्या @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 नवंबर को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के 161 फीट ऊंचे मुख्य शिखर पर भगवा ध्वज फहराएंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत राम मंदिर के सातों शिखर पहली बार भगवा ध्वज से सुशोभित होंगे। मुख्य शिखर के ठीक नीचे विराजमान रामलला की दृष्टि जैसे ही ध्वज पर पड़ेगी, तो यह एक अलौकिक घटना के रूप में देश-विदेश के करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की स्मृति में सदा के लिए अंकित हो जाएगी। समारोह को अब तक का सबसे भव्य आयोजन बनाने के लिये स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा